भारत के संसदीय इतिहास में राज्यसभा की भूमिका को सराहा

रुकावट के बजाय संवाद का रास्ता चुनें राज्यसभा सदस्य : मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

भारत के संसदीय इतिहास में राज्यसभा की भूमिका की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सभी दलों के सदस्यों को 'रूकावट के बजाय संवाद का रास्ता चुनना चाहिए। मोदी ने उच्च सदन के 250 वें सत्र के अवसर पर भारतीय राजनीति में राज्यसभा की भूमिका आगे का मार्ग विषय पर हुई विषेष चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस सदन ने कई ऐतिहासिक पल देखे हैं और कई बार इतिहास को मोड़ने का भी काम किया है। उन्होंने स्थायित्व एवं विविधता को राज्यसभा की दो विशेषताएं बताया। उन्होंने कहा कि भारत की एकता की जो ताकत है वह सबसे अधिक इसी सदन में प्रतिबिंबित होती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के लिए चुनावी अखाड़ा पार कर पाना संभव नहीं होता है। किंतु इस व्यवस्था के कारण हमें ऐसे महानुभावों के अनुभवों का लाभ मिलता है।

मोदी ने कहा कि इसका सबसे बड़ा उदाहरण स्वयं बाबा साहेब अंबेडकर हैं। उन्हें किन्हीं कारण से लोकसभा में जाने का अवसर नहीं मिल सका और उन्होंने राज्यसभा में आकर अपना मूल्यवान योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह सदन चैक एवं बैलेंस (नियंत्रण एवं संतुलन) का काम करता है। किंतु बैलेंस और ब्लाक (रुकावट) में अंतर रखा जाना चाहिए। उन्होंने राज्यसभा सदस्यों को सुझाव दिया कि हमें रूकावट के बजाय संवाद का रास्ता चुनना चाहिए।

मनमोहन बोले- कुछ मुद्दों पर राज्यसभा को मिलें ज्यादा अधिकार

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सोमवार को कहा कि राज्यों की परिषद होने के नाते प्रांतों की सीमाओं के पुनर्निधार्रण से संबंधित विधेयकों में राज्यसभा की अधिक भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने हालांकि इस सन्दर्भ में जम्मू कश्मीर का नाम नहीं लिया जिसका हाल में पुनर्गठन हुआ है। डॉ. सिंह राज्यसभा के 250वें सत्र पर उच्च सदन में 'भारतीय शासन व्यवस्था में राज्यसभा की भूमिका और आवश्यकता' पर हुई विशेष चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कार्यपालिका को इस सदन के प्रति अधिक सम्मान दिखाना चाहिए। लेकिन आज ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, किसी राज्य की सीमाओं का पुनर्निधार्रण, उन्हें केंद्रशासित प्रदेशों में परिवर्तित करना, ये दूरगामी परिणामों वाले प्रस्ताव अथवा विधेयक हैं। इन मुद्दों से निपटने के लिए राज्यसभा को अधिक अधिकार होने चाहिए।

राज्यसभा के 67 साल के सफर में गवाह बने 2282 सांसद

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली। भारतीय संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा के 67 साल के ऐतिहासिक सफर में 250वें सत्र के पहले दिन उच्च सदन के देश के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में योगदान के रूप में याद किया गया। इस 67 साल के दौरान राज्यसभा में अभी तक 2282 सदस्य आए हैं और 5466 बैठकों के दौरान 3817 विधेयक पारित कराने का यह सदन गवाह बना। सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि 1952 में अपनी स्थापना के बाद से उच्च सदन ने देश के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में योगदान करते हुए एक लंबा सफर तय किया है, राज्यसभा की स्थापना की पहली बैठक 13 मई 1952 को हुई तब से अब तक 5466 बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें राज्यसभा ने 3817 विधेयकों को पारित किया। अब तक उच्च सदन में 2282 सदस्य इस सफर के साक्षी बने हैं।

मास्क पहन कर ससंद पहुंचे कई सांसद

वायु प्रदूषण के प्रति अपनी चिंता का इजहार करते हुए कई सांसद सदस्य संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को मास्क पहन कर आए। कुछ सांसदों ने साइकिल और कुछ ने संसद पहुंचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग किया।

चिटफंड संशोधन बिल लोकसभा में पेश

सरकार ने लोकसभा में चिटफंड (अमेंडमेंटेंट) बिल, 2019 को पेश कर दिया है। इस बिल को पारित कराने की कोशिश होगी। सरकार ने चिटफंड संशोधन बिल में इंडस्ट्री को बढ़ावा देने और ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कानून में बड़े बदलाव की तैयारी की है। पिछले दिनों कई सारे कंपनियों में घोटाले सामने आए हैं। ये कंपनियां चिटफंड की आड़ में कुछ गलत काम कर रही थी। लेकिन अब सरकार ने 1982 के चिटफंड बिल में बदलाव करने का फैसला लिया है। लोकसभा में इसी से जुड़ा बिल पेश किया गया है। बिल पारित होने के बाद चिटफंड कंपनियों का बेहतर रेगुलेशन हो सकेगा।

महाराष्ट्र में किसानों को हुए नुकसान का मुद्दा लोकसभा में गूंजा

महाराष्ट्र में पिछले महीने बेमौसम बारिश से विभिन्न फसलों, बागवानी और किसानों को हुए नुकसान का मुद्दा सोमवार को लोकसभा में गूंजा। महाराष्ट्र से निर्दलीय सदस्य नवनीत राणा ने शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए राज्य के किसानों की मौजूदा दयनीय स्थिति के लिये सीधे तौर पर शिवसेना को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन के पीछे शिवसेना का स्वार्थ छिपा था। उन्होंने शिवसेना सदस्यों के शोरगुल के बीच कहा यदि उसे इतनी ही (किसानों के प्रति) सहानुभूति थी तो उसे राज्य में सरकार गठित करनी चाहिए थी। महाराष्ट्र से एआईएमआईएम के सदस्य इम्तियाज जलील सैयद ने कहा कि राज्य में तीन साल से सूखा पड़ा था। लेकिन इस बार (बेमौसम) बारिश से फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई। उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगे रहने की ओर इशारा करते हुए कहा किसानों को लगता है कि उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के मसले पर चर्चा की मांग

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन लोकसभा में काफी हंगामेदार रहा। सुबह सदन की कार्रवाई की शुरुआत के साथ ही कांग्रेस की अगुवाई में एनसी, डीएमके, एनसीपी और टीएमसी सांसदों ने खूब हंगामा किया और जम्मू-कश्मीर के मामले को लेकर जल्द से जल्द सदन में विस्तार से एक चर्चा करने की मांग की। कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी की एसपीजी सुरक्षा वापस लेने को लेकर लिए गए केंद्र सरकार के फैसले की भी कड़ी आलोचना की।

लोकसभा में गूंजा में आईआईटी मद्रास में हुई छात्रा की खुदकुशी का मामला

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा में आईआईटी मद्रास में बीते दिनों हुई छात्रा फातिमा लतीफ की खुदकुशी के मामले को लेकर काफी हंगामा हुआ। शून्यकाल की शुरुआत से पहले और उसके बाद डीएमके सांसदों ने इस मामले को जोरशोर ढंग से सदन में उठाते हुए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री (एमएचआरडी) रमेश पोखरियाल निशंक से जवाब देने की मांग की।

जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के खिलाफ पीडीपी का प्रदर्शन

पीडीपी के राज्यसभा सदस्यों मीर फयाज और नजीर अहमद लवाय ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। दोनों सांसदों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं। वे संविधान का अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने का विरोध कर रहे थे। तख्तियों पर नारे लिखे गए थे जिनमें कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल किए जाने की मांग की गयी थी और पूर्ववर्ती राज्य को केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने का विरोध किया गया था।

मेघालय के उग्रवादी संगठन एचएनएलसी को सरकार ने किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली। मेघालय में सक्रिय उग्रवादी समूह हिनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) को उसकी हिंसात्मक एवं विध्वसंक गतिविधियों के कारण केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एचएनएलसी, उसके सभी धड़ों, शाखाओं और उससे जुड़े संगठनों ने भारतीय संघ से राज्य के उन क्षेत्रों को अलग करने के अपने उद्देश्य की सार्वजनिक घोषणा की है, जिनमें मुख्य रूप से खासी और जयंतिया जनजातियां रहती हैं। उसने कहा कि यह समूह जबरन धन वसूलने के लिए आम लोगों को डराता-धमकाता और परेशान करता है, जबरन वसूली एवं धमकाने के लिए पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी समूहों से संबंध रखता है और इसने अपने सदस्यों को पनाह और प्रशिक्षण देने के लिए बांग्लादेश में शिविर स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार का यह भी मानना है कि एचएनएलसी की गतिविधियों से भारत की संप्रभुता एवं अखंडता को खतरा है। मंत्रालय ने कहा कि यदि इन गतिविधियों को तत्काल नियंत्रित नहीं किया गया तो एचएनएलसी स्वयं को फिर से एकजुट करेगा और सशक्त बनाएगा, अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाएगा, अत्याधुनिक हथियार खरीदेगा, आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के जीवन को खतरा पहुंचाएगा और अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ाएगा।

भाजपा बताए कि उसे चुनावी बॉन्ड के जरिए कितने हजार करोड़ रुपये का चंदा मिला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए सोमवार को दावा किया कि चुनावी बॉन्ड से गुमनाम चंदे और धनशोधन में बढ़ोतरी होगी। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सवाल किया कि सत्तारूढ़ पार्टी को बताना चाहिए कि चुनावी बॉन्ड के माध्यम से उसे कितने हजार करोड़ रुपये का चंदा मिला।

उन्होंने ट्वीट किया आरबीआई ने चुनावी बॉन्ड का विरोध किया कि इससे गुमनाम चंदा व धनधोधन में बढ़ोतरी होगी।

अब मोदी सरकार बताए कि कितने हजार करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड जारी हुए? सुरजेवाला ने सवाल किया भाजपा को कितने हजार करोड़ मिले? क्या यह एक हाथ लें और दूसरे हाथ दें वाली बात है? क्या ये है हजारों करोड़ की भाजपा का मंत्र? उन्होंने जिस मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है ।

सफाई कर्मचारी हिन्दी गानों की पैरोडी बनाकर लोगों में फैला रहे हैं जागरूकता

पुणे। पुणे के सफाई कर्मचारी महादेव जाधव सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकने के लिए लोगों को हतोत्साहित करने के लिए पुराने बॉलीवुड गानों की पैरोडी बनाते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर खासी ख्याति मिल रही है। पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) में काम करने वाले 57 वर्षीय कर्मचारी के दिमाग में पुराने गानों की पैरोडी बनाने का विचार तब आया जब उन्होंने पार्वती इलाके में सुबह की सैर के दौरान 'पढ़े-लिखे' लोगों को कूड़े से भरे प्लास्टिक के थैले सड़क पर फेंकते हुए देखा।

अमेरिका जाने वाले छात्रों में चीन के बाद सर्वाधिक संख्या भारतीयों की: रिपोर्ट

वाशिंगटन। भारत ने वर्ष 2018-19 में दो लाख से अधिक छात्रों को अमेरिका भेजा जबकि चीन लगातार दसवें साल सर्वाधिक छात्रों को अमेरिका भेजने वाला देश बना हुआ है। सोमवार को जारी रिपोर्ट '2019 ओपन डोर्स रिपोर्ट ऑन इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सचेंज' के मुताबिक अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या अकादमिक वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक रही। यह लगातार चौथा वर्ष है जब दस लाख से अधिक विदेशी छात्र अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2018 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का योगदान 44.7 अरब डॉलर रहा जो पूर्ववर्ती वर्ष के मुकाबले 5.5 फीसदी अधिक है।

हालांकि चीन वर्ष 2018-19 में 3,69,548 छात्रों के साथ लगातार दसवें साल अमेरिका में विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इस अवधि में भारत ने 2,02,014 छात्रों को अमेरिका भेजा, यह संख्या चीन के बाद सर्वाधिक है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका जाने वाले कुल विदेशी छात्रों की संख्या 10,95,299 रही जो पिछले वर्ष के मुकाबले 0.05 फीसदी अधिक है और अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कुल छात्रों का 5.5 फीसदी है। कुल विदेशी छात्रों में से 50 फीसदी से अधिक छात्र भारत और चीन से हैं। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशल एजुकेशन और विदेश मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एजुकेशन ऐंड कल्चरल अफेयर्स की ओर से जारी की गई है।

नुसरत जहां की हालत में सुधार, अस्पताल से मिली छुट्टी

कोलकाता। अदाकारा और तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां को सोमवार शाम अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। सांस लेने में तकलीफ के कारण एक दिन पहले शहर के एक निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था। शहर के जिस निजी अस्पताल में नुसरत को भर्ती कराया गया था, वहां के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नुसरत के स्वास्थ्य में सुधार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गयी।

खबर संक्षेप

फर्जी पासपोर्ट केस: 12 साल बाद मोनिका बेदी को मिली राहत

जबलपुर। बॉलीवुड एक्ट्रेस मोनिका बेदी के फर्जी पासपोर्ट मामले में जबलपुर हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला सुनाया है।

मामले पर 12 साल तक चली सुनवाई पूरी करते हुए जबलपुर हाईकोर्ट ने अपना फैसला मोनिका बेदी के पक्ष में देते हुए जिला अदालत के फैसले को सही ठहराया है। भोपाल जिला अदालत ने वर्ष 2007 में मोनिका बेदी को फर्जी पासपोर्ट आरोप में बरी करते हुए उन्हें दोषमुक्त करार दिया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में जिला अदालत के आदेश पर हस्तक्षेप से इनकार किया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस मोनिका बेदी पर आरोप था कि उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम की मदद से भोपाल में अपना फर्जी पासपोर्ट बनवाया था।

टिकटॉक पर पाबंदी के लिए महिला पहुंची बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर वीडियो ऐप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी है।

याचिका में कहा गया है कि इस ऐप पर बेरोक-टोक अश्लील विषयवस्तु अपलोड किए जाते हैं और यह देश के युवाओं को नुकसान पहुंचा रहा है। तीन बच्चों की मां हीना दरवेश ने 11 नवंबर को याचिका दायर की थी। हीना मुंबई की रहने वाली हैं। जनहित याचिका की प्रतियां सोमवार को उपलब्ध करायी गयीं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि है टिकटॉक की वजह से अपराध की कई घटनाएं हुई हैं। कुछ मामलों में हत्याएं भी हुई।

निशाना...

जम्मू-कश्मीर के सुचेतगढ़ में सोमवार को भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीओपी ऑक्ट्रोई में सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रदर्शित हथियारों पर स्कूली छात्राओं ने हाथ आजमाए।

नागरिकता संशोधन विधेयक पर शिवसेना के रुख से तय होगा महाराष्ट्र में सरकार बनाने का समीकरण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

- न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा से पहले कांग्रेस आलाकमान को शिवसेना से बातचीत के लिए रजामंद करना टेढ़ी खीर हो गया है

महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू हो जाने के बाद भी सरकार बनाने की कोशिशें जारी हैं। शिवसेना के भाजपा से रिश्ता तोड़ देने के बावजूद सरकार बनाने के लिए कांग्रेस-एनसीपी के साथ उसकी बातचीत परवान नहीं चढ़ रही है। न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा से पहले कांग्रेस आलाकमान को शिवसेना से बातचीत के लिए रजामंद करना टेढ़ी खीर हो गया है। इस बीच माना जा रहा है कि संसद में पेश होने जा रहा नागरिकता संशोधन विधेयक पर शिवसेना के रुख बाद ही सरकार किसकी बन पाएगी यह तय हो पाएगा।

उल्लेखनीय है कि नागरिकता संशोधन विधेयक का कांग्रेस-एनसीपी और अन्य विपक्षी दल जहां लगातार विरोध कर रहे हैं,वहीं शिव सेना सहित एनडीए के सभी दल अभी तक इसका पुरजोर समर्थन करते रहे हैं। लेकिन अब जबकि मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा के चलते शिवसेना भाजपा से अलग हो होकर विपक्ष के साथ खड़ी हो गई है तो क्या अब शिवसेना विचारधारा के स्तर पर भी खुद को बदल जाएगी। माना जा रहा है कि शिवसेना अगर इस बिल पर यूपीए के साथ जाती है तो कांग्रेस के लिए उसके साथ बातचीत करना आसान हो जाएगा। लेकिन कट्टर हिंदुत्व की छवि वाली शिवसेना अगर अपने पुराने विचारधारा पर कायम रहते हुए विधेयक का समर्थन करती है तो कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिलकर सूबे में सरकार बनाने की उसकी महत्वाकांक्षा को झटका लग सकता है। इस बीच मुबंई महानगर पालिका के मेयर पद के चुनाव में भाजपा अपना उम्मीदवार न उतार यह संकेत दे दिया है कि वह अभी भी शिवसेना से हाथ मिलाने के लिए तैयार है। बतादें कि संसद के चालू शीतकालीन सत्र में सरकार ने कुल 22 विधेयकों की सूची तैयार की है,इसमें नागरिकता संशोधन विधेयक 18 वें नम्बर पर है।

गंगा में क्रोमियम बहाने पर 280 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कानपुर के रनिया और राखी मंडी इलाके में गंगा में जहरीले क्रोमियम युक्त सीवेज डिस्चार्ज की जांच करने में विफल रहने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। इसके साथ ही एनजीटी ने प्रदूषण फैलाने के लिए 22 टेनरियों पर 280 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को भी जिम्मेदार माना और उस पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। अधिकरण ने कहा कि इस समस्या का निराकरण पिछले 43 वर्षों से नहीं किया गया है और इसके चलते भूजल दूषित हो गया है, जिससे आसपास के निवासियों की सेहत और जीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 280.01 करोड़ रुपये की पर्यावरण क्षतिपूर्ति का आकलन किया है।

विवाह समारोह में कांग्रेस विधायक पर हमला, हालत गंभीर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मैसूरु में रविवार देर रात एक विवाह समारोह में कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री तनवीर सैत पर एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया । पुलिस ने इसकी जानकारी दी । पुलिस ने बताया कि प्रदेश के नरसिम्हराजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक 52 साल के सैत को घटना के तत्काल बाद मैसूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी सर्जरी की गयी ।

अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत नाजुक है और गहन चिकित्सा कक्ष में उनका इलाज चल रहा है । परिवार के सूत्रों ने बताया कि इस हमले की मंशा के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है और इस पर 'सैत ही प्रकाश डाल सकते हैं । हमलावर की पहचान फरहान पाशा के रूप में की गयी है और उसकी उम्र 25 साल के करीब है । पांच बार के विधायक सैत विवाह समारोह में बैठे हुए थे कि उसी समय पाशा ने उन पर हमला किया और वहां से भागने की कोशिश की लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया । यह घटना समारोह में वीडियो में कैद हो गयी है । पुलिस ने बताया कि पाशा से पूछताछ की जा रही है। मैसूरु पुलिस आयुक्त के टी बालकृष्ण ने प्रेट्र को बताया कि पुलिस को इस बारे में सूचना मिली है और विभिन्न दृष्टिकोण से मामले की जांच की जा रही है । उन्होंने कहा इस स्तर पर.....मामले की जांच की जानकारी साझा करना उचित नहीं है । मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने इस घटना पर दुख जाहिर किया है ।

- हमलावर की पहचान फरहान पाशा के रूप में की गयी है और उसकी उम्र 25 साल के करीब है

पक्षियों की मौत संभवतया बोटुलिज्म के कारण हुई: कलेक्टर

सांभर झील में आठ दिनों में 17000 प्रवासी पक्षियों की मौत

एजेंसी ▶▶जयपुर

राजस्थान के जयपुर, नागौर और अजमेर जिलों में फैली सांभर झील में पिछले आठ दिनों में लगभग 17000 प्रवासी पक्षियों की मौत हो चुकी है। जयपुर जिला कलेक्टर जगरूप सिंह यादव ने बताया कि पक्षियों की मौत संभवतया बोटुलिज्म के कारण हुई है। बोटुलिज्म का अर्थ है मृत पक्षियों के जीवाणुओं से पक्षियों में पनपी अपंगता।

मुख्य वन्यजीव संरक्षक अरिंदम तोमर ने सोमवार को बताया कि मृत पक्षियों की संख्या में वृद्धि हुई है और दस नवम्बर से यह संख्या लगभग 17000 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि मृत पक्षियों के कंकालों को नष्ट कर दिया गया है। जयपुर में अब तक 8500 पक्षियों की मौत हो चुकी है। नार्थन शोवलर्स, रूडी शेलडक, प्लोवर्स, एवोसेट्स सहित कई प्रवासी पक्षियों की सांभर झील में मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने पक्षियों की मौत बर्ड फ्लू के कारण होने से इंकार किया है। उल्लेखनीय है कि नमक के लिये दुनियाभर में प्रसिद्ध सांभर झील के इलाके में पिछले कुछ दिनों में कई सौ प्रवासी पक्षियों की मौत हो चुकी है।

- अधिकारियों ने बर्ड फ्लू होने से किया इंकार

सभी स्कूलों में लैंगिक जागरुकता से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता: ईरानी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि देशभर के स्कूलों में लैंगिक जागरुकता से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने यहां केन्द्रीय विद्यालय संगठन के साथ मिलकर 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिये समग्र लैंगिक तथा कानूनी जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे लेकर ईरानी ने यह टिप्पणी की। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि लैंगिक जागरुकता को शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाए जाने की जरूरत है और यह कार्यक्रम उसी दिशा में किया गया एक प्रयास है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर टिप्पणी से नाराज अन्नाद्रमुक ने रजनीकांत पर साधा निशाना

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत ने कहा है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने इस पद पर पहुंचने के बारे में सपने में भी नहीं सोचा होगा और उन्होंने इस पद पर अन्नाद्रमुक नेता की पदोन्नति को चौंकाने वाला करार दिया। राजनीति में आने का ऐलान कर चुके अभिनेता के सामने 2021 में होने वाले अगले विधानसभा चुनावों की चुनौती है।

उन्होंने राजनीति में अपने पदार्पण का संकेत देते हुए कहा कल भी कुछ चौंकाने वाला हो सकता है।

चिंतन

देश को दूरदर्शी बनने में राज्यसभा का योगदान

राज्यसभा भारतीय लोकतंत्र की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है। सीधे और साफ शब्दों में हम इसे लोकतंत्र का प्रहरी भी कह सकते हैं। किसी भी संघीय शासन में संघीय विधायिका का ऊपरी भाग संवैधानिक बाध्यता के चलते राज्य हितों की संघीय स्तर पर रक्षा करने वाला कहा जाता है। राज्यसभा का गठन एक पुनर्रीक्षण सदन के रूप में हुआ है जो लोकसभा द्वारा पास किए गए प्रस्तावों की पुनर्रीक्षा करे। यह मंत्रिपरिषद में विशेषज्ञों की कमी को भी पूरी करता है, क्योंकि कम से कम 12 विशेषज्ञ तो इसमें मनोनीत होते ही हैं। संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्यसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं। राज्यसभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली तथा पुडुचेरी के प्रतिनिधि हैं और 12 राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित हैं। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे ऐसे होते हैं जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाजसेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है ताकि देश को उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिल सके। यह हमारे गणतंत्र के लिए हर्ष का विषय है कि सोमवार से हमारी राज्यसभा का 250वां सत्र आयोजित किया जा रहा है। राज्यसभा का पहला सत्र 13 मई 1952 को हुआ था, तब से लेकर अब तक के राज्यसभा के सफर को देखें तो साफ होता है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने जो व्यवस्था दी है, वह बेहद उपयुक्त है। निचला सदन जमीन से जुड़ा हुआ है तो ऊंचा सदन दूर तक देखने की दृष्टि रखता है। निचले सदन में भारत की जमीनी स्थिति का प्रतिबिम्ब होता है तो वहीं में दूरदृष्टि का पता चलता है। इस सदन ने कई ऐतिहासिक पल देखे, इतिहास बनाया भी और इतिहास बनते हुए देखा। जरूरत पड़ने पर इतिहास को मोड़ने का भी काम किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने 2003 में राज्यसभा के 200वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि किसी को भी हमारे सेकंड हाउस को सेकंडरी हाउस बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उनका भाव यही था कि राज्यसभा का गठन लोकतंत्र के प्रहरी के तौर पर किया गया था, इसलिए इसकी अहमियत सबसे बड़ी है। 250वें सत्र को संबांधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ऐसा ही भाव प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि हर किसी के लिए चुनावी अखाड़ा पार करना सरल नहीं होता, लेकिन देशहित में राज्यसभा का अनुभव बहुत काम का होता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बाबा साहेब आंबेडकर खुद हैं। वे लोकसभा नहीं पहंच पाए। उन्होंने राज्यसभा के जरिए बहुत बड़ा योगदान दिया। यह भी कि संविधान निर्माताओं ने दो सदनीय ढांचा बनाया जो इसी उद्देश्य के लिए था कि जो विशेषज्ञ चुनाव के रास्ते देश के विकास में योगदान न देना चहाते हों या दे सकते, वे राज्यसभा से अपने अनुभव का लाभ देश को दें। अगर पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल को ही देखें तो कई मौकों पर सत्ता पक्ष को बहुमत न होने पर सदन ने देशहित में काम किया। जीएसटी के रूप में वन नेशन-वन टैक्स पर सहमति बनाकर देश को दिशा मिली। एकता और अखंडता के लिए अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने की शुरुआत पहले इसी सदन में हुई। यही सदन है जिसने तीन तलाक का बिल पास करके महिला सशक्तिकरण का बहुत बड़ा काम किया। इसी सदन ने सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया, लेकिन कहीं विरोधभाव पैदा नहीं हुआ। एक सबसे खास बात यह भी कि 250वें सत्र के दौरान राज्यसभा के मार्शलों की ड्रेस में बदलाव किया गया, अब वे सेना जैसी वर्दी में नजर आएंगे। इससे हर समय देश के उच्च सदन में भी राष्ट्रीयता का भाव झलकता रहेगा।

सारा संसार

प्रकृति के नजदीक और शहरी शोर-शराबे से दूर शांति का अनुभव करना चाहते हैं, तो आपको अरुणाचल प्रदेश के जीरो वैली आना चाहिए। लोअर सुबंसरी जिले में समुद्रतल से 5600 फीट की ऊंचाई पर स्थित जीरो घाटी दुनिया के कुछ उन मुट्ठीभर ठिकानों में से है, जहां आज भी प्रकृति और परंपराओं की जुगलबंदी कायम है। जीरो वैली में आप ग्रुप या सोलो ट्रिप प्लान कर सकते हैं और यकीन मानिए यहां बिताए गए समय को आप कभी भूल नहीं पाएंगे।

विडंबना

बाल मुकुंद ओझा

जनसंख्या नियंत्रण पर भी सियासत

देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर नेताओं की बयानबाजी से सियासत गर्मा उठी है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि इस पर कानून बनने के बाद वे राजनीति से संन्यास ले लेंगे। सत्तारूढ़ भाजपा के अनेक नेता और सांसदों सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी जनसंख्या नियंत्रण कानून के पक्ष में है। इन लोगों का कहना है कि देश की बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण लगाने के लिए भारत सरकार को जल्द ही सख्त कानून बनाना चाहिए। समय रहते जनसंख्या विस्फोट को रोका नहीं गया तो आने वाली पीढ़ियां खाद्यान्न, जल, शिक्षा, चिकित्सा सहित कई प्राथमिक संसाधनों और रोजगार के लिए तरसेंगी। जनसंख्या नियंत्रण कानून के कुछ पक्षधरों का यह भी कहना है भारत भी चीन की तरह एक बच्चा नीति को कानून के रूप में लागू करे तभी देश को बचाया जा सकता है। आज विश्व की जनसंख्या सात अरब 63 करोड़ से ज्यादा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब 36 करोड़ के आसपास है। भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गई है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है। संभावना है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जाएगी। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का 17.5 फीसद है। भूभाग के लिहाज के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन है। चार फीसद जल संसाधन है जबकि विश्व में बीमारियों का जितना बोझ है, उसका 20 फीसद अकेले भारत पर है। हमारी आबादी में अभी भी हर दिन पचास हजार की वृद्धि हो रही है। इतनी बड़ी जनसंख्या को भोजन मुहैया कराने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा खाद्यान्न उत्पादन प्रतिवर्ष 54 लाख टन से बढ़े जबकि वह औसतन केवल 40 लाख टन प्रतिवर्ष की दर से ही बढ़ पाता है। जनसंख्या वृद्धि के दो मूल कारण अशिक्षा एवं गरीबी है। लगातार बढ़ती आबादी के चलते बड़े पैमाने पर बेरोजगारी तो पैदा हो ही रही है, कई तरह की अन्य आर्थिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। भारत के सामने अनेक समस्याएं चुनौती बनकर खड़ी हैं। जनसंख्या-विस्फोट उनमें से सर्वाधिक है। एक अरब भारतियों के पास धरती, खनिज, साधन आज भी वही हैं जो 50 साल पहले थे परिणामस्वरूप लोगों के पास जमीन कम, आय कम और समस्याएं अधिक बढ़ती जा रही हैं भारत के पास विश्व की समस्त भूमि का केवल 2.4 प्रतिशत भाग ही है जबकि विश्व की 16.7 प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है। जनसंख्या में वृद्धि होने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों पर और भार बढ़ जाएगा। जनसंख्या दबाव के कारण कृषि के लिए व्यक्ति को भूमि कम उपलब्ध होगी जिससे खाद्यान्न, पेय जल की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, इसके अलावा लाखों लोग स्वास्थ्य और शिक्षा के लाभों एवं समाज के उत्पादक सदस्य होने के अवसर से वंचित हो जाएंगे। आधे बिलियन से अधिक भारतीय 25 वर्ष से कम आयु के हैं।

आंकड़ों से नहीं मिटेगी बेरोजगारी

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

देश में बढ़ती बेरोजगारी के परिप्रेक्ष्य में उपलब्ध रोजगार के क्षेत्रों पर नजर डालें तो देश में संगठित, असंगठित और सरकारी क्षेत्र प्रमुख रूप से नौकरी प्रदाता है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में संगठित क्षेत्र का रोजगार में हिस्सा 10 .1 फीसदी है, असंगठित क्षेत्र जिसमें कृषि भी शामिल है 60 फीसदी रोजगार उपलब्ध कराता है। बदलते भारत में सरकारों ने कृषि की अपेक्षा औद्योगिक विकास को ज्यादा तरजीह दी, औद्योगिक विकास की बेतरतीब सनक ने खेती की लाखों हेक्टैयर जमीन निगल ली लेकिन इसके बावजूद उद्योग देश की आर्थिक विकास और रोजगार उपलब्ध कराने में नाकाम रहे।

अनुकंपा नियुक्ति पाने बेटे ने सुपारी दे करा दी पिता की हत्या' जशपुर जिले की यह खबर देश में व्याप्त बेरोजगारी की विकराल समस्या की महज एक बानगी है। गौरतलब है कि भारत की बेरोजगारी दर तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुँच चुका है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक देश में पिछले माह बेरोजगारी दर 8.5 फीसदी हो गई जबकि बीते वर्ष 2018 में यह 6.1 फीसदी थी। बीते साल का यह आंकड़ा 45 वर्षों में सबसे ज्यादा थी यानी हालिया आंकड़ा इस रिकार्ड को भी ध्वस्त कर चुका है। देश में रोजगार के मसले पर अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आजाद भारत के इतिहास में पहली बार बीते 6 वर्षों में 90 लाख नौकरियां घटी हैं। यह नौकरियां सर्वाधिक रोजगार पैदा करने वाली कृषि, इन्फ्रास्ट्रक्चर और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में खत्म हुई है। इस रिपोर्ट के इतर सीएमआईई का दावा है कि इसी साल मई से सितंबर तक 25 लाख नौकरियां बढ़ी हैं, दूसरी ओर सरकार का भी कहना है कि संगठित क्षेत्र हर साल 1 करोड़ रोजगार पैदा कर रहा है। हालांकि इस दावे की पोल ऑटोमोबाईल, टेक्सटाइल, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक क्षेत्र में खत्म हो रही नौकरियां खोल रहीं हैं। गौरतलब है कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र 35 मिलियन लोगों को रोजगार देता है, वहीं टेक्सटाइल उद्योग कृषि के बाद 10 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। विडंबना है कि देश के सार्वजनिक एवं प्रायवेट कंपनियों में बरसों से काम कर रहे लोगों की नौकरियां लगातार खत्म हो रही है वहीं आटोमेशन के चलते 69 फीसदी भारतीय नौकरियां भी खतरे में है।

गौरतलब है कि देश में जारी आर्थिक मंदी, नोटबंदी, जीएसटी और कम होती वैश्विक मांग के चलते भारत में बेकारी की समस्या लगातार बढ़ने के कारण शिक्षित युवा बेरोजगारों की कतार लंबी होते जा रही है वहीं दूसरी ओर जिन हाथों में रोजगार था वे हाथ भी अब रोजगार विहीन हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले शहरी क्षेत्र में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी की दर 7.8 फीसदी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 5.3 फीसदी है। भारतीय श्रम ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे ज्यादा बेरोजगारी वाला देश है जहां साल 2019 के शुरुआत में ही 11 फीसदी आबादी यानी 12 करोड़ लोग रोजगार के कतार में हैं जिसमें 1.90 करोड़ संख्या ऐसे युवाओं की है जिनकी उम्र 25 वर्ष तक है। हालांकि सरकार इन आंकड़ों पर इत्तेफाक नहीं रखती, देश के श्रम और रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने संसद में बताया है कि देश में नौकरियों की कमी नहीं है दिक्कत यह है कि लोग स्थायी और सरकारी नौकरी चाहते हैं।

देश में बढ़ती बेरोजगारी के परिप्रेक्ष्य में उपलब्ध रोजगार के क्षेत्रों पर नजर डालें तो देश में संगठित, असंगठित और सरकारी क्षेत्र प्रमुख रूप से नौकरी प्रदाता है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में संगठित क्षेत्र का रोजगार में हिस्सा 10.1 फीसदी है, असंगठित क्षेत्र जिसमें कृषि भी शामिल है 60 फीसदी रोजगार उपलब्ध कराता है। बदलते भारत में सरकारों ने कृषि की अपेक्षा औद्योगिक विकास को ज्यादा तरजीह दी, औद्योगिक विकास की बेतरतीब

सनक ने खेती की लाखों हेक्टैयर जमीन निगल ली लेकिन इसके बावजूद उद्योग देश की आर्थिक विकास और रोजगार उपलब्ध कराने में नाकाम रहे। दरअसल आम भारतीय परिवार में आज भी सरकारी नौकरी का सबसे बड़ा आकर्षण है। भारत में रेल्वे, सेना, पुलिस सहित विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी के ज्यादा अवसर हैं, यही वजह है कि देश में सरकारी नौकरियां निकलने पर हजारों-लाखों लोग अर्जियां देते हैं। बेरोजगारी का आलम यह है कि सरकारी विभागों के निचले दर्जे यानी ग्रुप सी या डी अथवा तृतीय-चतुर्थ वर्ग के नौकरियों के लिए उच्च शिक्षित युवा जो इंजीनियरिंग, एमबीए, पीएचडी, पोस्ट ग्रेजुएट या अन्य उच्च शिक्षा डिग्रीधारी होते हैं वे भी इन नौकरियों के लिए अर्जियां देते हैं जबकि इन पदों की बुनियादी योग्यता महज आठवीं या दसवीं पास तथा सायकल चलाने की दक्षता भर होती है। इन परिस्थितियों में अहम प्रश्न यह है कि हमारे देश में युवाओं के तकनीकी, प्रबंधन और उच्चशिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक पढ़ने और दक्षता प्राप्त करने के बावजूद उन्हें उनके आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार क्यों नहीं मिल पा रहा है? आज का युवा विश्वविद्यालय से डिग्री लेने के बाद भी भविष्य के लिए क्यों सशंकित है? विचारणीय है कि केन्द्र और राज्य सरकारों में लाखों पद खाली होने के बावजूद देश की सरकारें अपनी स्थापना व्यय कम करने के लिए इन पदों पर नियमित भर्तियों की जगह संविदा और आउटसोर्सिंग से काम चला रहीं हैं।

बहरहाल देश में बेरोजगारी एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है जिसने लाखों युवाओं के सुनहरे सपनों पर पानी फेर दिया है। देश में केन्द्र सरकार ने बेरोजगारी की समस्या के दृष्टिगत एक समिति गठित कर दी है परंतु विचारणीय यह कि आखिरकार ऐसी समितियां नए रोजगारों के सृजन की दिशा में क्यों कुछ नहीं सोचती? इन सरकारी दिखावे के परिप्रेक्ष्य में विचारणीय है कि बेरोजगारी केवल आंकड़ों या समितियों से नहीं मिटेगी बल्कि इसके लिए सरकार को 'राष्ट्रीय रोजगार नीति' बनाने की दरकार है। बहरहाल मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत रूप से स्वरोजगार और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने तथा नये रोजगार निर्माण के लिए अनेक योजनाएं जैसे मेक इन इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री रोजगार निर्माण योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित अनेक योजनाएं लागू की थीं परंतु इन दर्जनों योजनाओं के बावजूद देश रोजगार के मोर्चे पर लगातार पिछड़ते जा रहा है। विडंबना यह कि हमारे देश की सरकारें महज बेरोजगारी भत्ता देकर अपने कर्त्तव्यों की इतिश्री मानें बैठी है। दरअसल रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारों की बड़ी भूमिका होती है, विकास कार्यों पर खर्च करके ऐसे रोजगार बनाए जा सकते हैं जो सरकारी खजानों में करों के रूप में नई आमदनी लाए। बहरहाल देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए प्रमुख रूप से जनसंख्या वृद्धि, गरीबी, लचर शिक्षा व्यवस्था, कृषि क्षेत्र की उपेक्षा, लघु और कुटीर उद्योगों का खात्मा, स्वरोजगार के कम साधन, शासन व्यवस्था में व्याप्त लाल फीताशाही, अत्यधिक मशीनीकरण और बाजारगत स्थितियां जिम्मेदार हैं। देश की शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव की जरूरत है, प्राथमिक स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर के पाठ्यक्रम में रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम को शामिल करते हुए कौशल उन्नयन पर ध्यान देना होगा। देश के लगभग 50 विश्वविद्यालयों को विश्व स्तरीय बनाना होगा ताकि युवा उच्चशिक्षा के लिए परदेस पलायन न करें और वे रोजगार प्रदाता बनें। कृषि क्षेत्र और इससे जुड़े सहायक उद्योग जैसे मत्स्यपालन, डेयरी, वनौषिध उद्यान तथा फल-फूल की बागवानी इत्यादि को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। देश में लघु और कुटीर उद्योगों को सहायता और प्रोत्साहन देने की जरूरत है, इसके लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों को कर लाभ देकर ज्यादा लोगों को रोजगार देने के लिए प्रेरित करना होगा। लाखों लोगों को रोजगार के अवसर की क्षमता रखने वाले टेक्सटाईल, निर्माण, परिवहन, स्वास्थ्य, षिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

कम होती है पाप की उम्र

संकलित

दर्शन

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे।

राजधर्म और तपस्या का फर्क

संकलित

प्रेरणा

सम्राट भरत, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनके नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा, वे बड़े प्रतापी और सुयोग्य शासक थे। राजा भरत शासन करते हुए भी कठोर तपस्या किया करते थे। एक बार एक किसान उनके पास आया और पूछने लगा, 'महाराजा आप चक्रवती सम्राट हैं करोड़ो लोगों की रक्षा और निर्वाह की व्यवस्था आपको करना पड़ती है। ऐसी दशा में आप तपस्या कैसे कर पाते हैं?' राजा भरत ने तेल से भरा हुआ कटोरा उसके हाथ में दिया और अपने कुछ सिपाही उसके साथ करते हुए कहा कि 'इस कटोरे को हाथ में लेकर तुम हमारी सेना को देखने जाओ। लेकिन तेल की एक बूंद भी बाहर गिरना नहीं चाहिए। अगर तेल गिर गया तो तुमको मृत्युदंड दिया जाएगा।' सिपाही किसान को सेना दिखाने लेकर गए। किसान सबको देखता तो रहा, लेकिन उसका ध्यान पूरे समय तेल से भरे कटोरे पर ही रहा कि कहीं उसमें से तेल गिर न जाए। किसान सब जगह घूमकर फिर से महाराज भरत के पास आया तो उन्होंने किसान से पूछा, 'तुम सेना देख आए हो? अच्छा बताओ तुम्हे क्या अच्छा लगा। उसमें से किस चीज को पाने की इच्छा तुमको हुई?' किसान ने कहा कि 'महाराज मैने देखा तो सब कुछ, लेकिन मेरा ध्यान कहीं नहीं अटका। मेरा ध्यान तो इस कटोरे की तरफ ही लगा हुआ था।' यह सुनकर राजा भरत ने कहा कि 'इसी तरह राज्य कार्य करते हुए मेरा ध्यान मेरी आत्मा में लीन रहता है।'

अंतर्मन

आज की पाती

गाय का हो संरक्षण

गाय को हिंदू धर्म में गोमाता की संज्ञा दी गई है। हिंदू धर्म में कोई भी धार्मिक कार्य गाय के दूध, गोमूत्र और इसके गोबर के बिना पूर्ण नहीं होता। जिस धर्म में गाय की पूजा और भोजन का पहला निवाला गोग्रास के रूप में गोमाता को देने का प्रावधान है, उसी धर्म के करोड़ों अनुयायी होने के बावजूद वर्तमान में गोमाता की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। शायद इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यही है कि आजकल हम गाय को मात्र दूध के लिए पालते हैं और जैसे ही यह दूध देना बंद करती है इसे धक्के खाने के लिए सड़क पर छोड़ दिया जाता है। क्या यही सोच आधुनिक सभ्यता की पराकाष्ठा है? यह बेसहारा जानवर जैविक खेती का मूल हैं, इनका संरक्षण होना चाहिए। किसी भी सूरत में गाय को राजनीति का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। बल्कि इसके उत्थान के लिए सरकार द्वारा लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। *-भास्कर यादव*

ट्रेंड

रास जीवंत सहायक

अटल जी ने कहा था कि राज्यसभा दूसरा सदन हो सकता है, लेकिन इसे द्वितीयक सदन नहीं समझना चाहिए। आज, मैं अटल जी की भावनाओं को प्रतिध्वनित करता हूं और जोड़ता हूं कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए राज्यसभा सहायक है।

-नरेंद्र मोदी

प्रगति को तत्पर

भारत संवाद के माध्यम से कोरियाई प्राय: द्वीप को विमुद्रीकृत करने और दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया को जोड़ने वाले प्रसार निशान सहित सभी संबंधित मुद्दों को हल करने के प्रयास में प्रगति के लिए तत्पर है। -राजनाथ सिंह

मानवता जरूरी

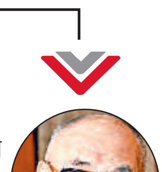

बहुत अधिक आत्म-केंद्रित होना चिंता और अवसाद को जन्म दे सकता है। संपूर्ण मानवता को ध्यान में रखकर परोपकार की भावना जरूरी है। मानवता के कारण ही हमें अपनी आवश्यक समानता को मनुष्य के रूप में पहचानना पड़ता है।

-दलाई लामा

पूर्वजों की मेहनत

आज हम जिस समृद्धि का आनंद लेते हैं वह अतीत की कड़ी मेहनत से आती है। यही कारण है कि हमारे पूर्वजों ने कभी आराम नहीं किया और लगातार अधिक प्रगति की ओर देखते हैं और हमारे आसपास के लोगों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाई। -निखिल नंदा

करंट अफेयर

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर चीन ने जताई नाराजगी

चीन के विदेश मंत्रालय ने न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा उन दस्तावेजों को जारी किए जाने पर सोमवार को नाराजगी जताई जिनमें विशेष शिविरों में दस लाख से अधिक मुस्लिमों को हिरासत में रखने वाले बीजिंग के अभियान की अंदरूनी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई थी। प्रवक्ता गेंग शुआंग ने अखबार पर आरोप लगाया है कि उसने इस अभियान के पीछे सही कारणों की उपेक्षा की। चीन का कहना है कि यह अभियान धार्मिक कट्टरपंथ को खत्म करने से जुड़ा है। अखबार चीन के प्रयासों को बदनाम करने के लिए इन कथित आंतरिक दस्तावेजों का मुद्दा उठा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक चीन सरकार के लीक हुए दस्तावेजों ने देश के शिनजियांग प्रांत में मुसलमान

अल्पसंख्यकों पर की गई कार्रवाई पर नई रोशनी डाली थी जिसमें राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ 'जरा भी दया न' दिखाने का आदेश दिया था। दक्षिण-पश्चिम चीन में अल्पसंख्यक उइगर उग्रवादियों द्वारा एक रेलवे स्टेशन पर 31 लोगों की हत्या किए जाने के बाद अधिकारियों को 2014 में दिए गए भाषण में शी ने 'आतंकवाद, घुसपैठ और अलगाववाद' के खिलाफ पूर्ण संघर्ष का आह्वान करते हुए 'तानाशाही के अंगों' का इस्तेमाल करने और "किसी भी तरह की दया नहीं" दिखाने को कहा था।

ऑफ बीट

पिता ने छुड़ाया स्कूल, कैब चलाकर कर रही पढ़ाई

सोशल मीडिया की तमाम खबरों के बीच दिल्ली की इस उबर ड्राइवर कीखबर लोग खूब पसंद कर रहे हैं। ये पोस्ट सिंगापुर की एक उद्यमी ओलिविया डेका ने अपनी दिल्ली यात्रा के बाद साझा की थी। उनकी ये प्रेरक पोस्ट अब तक हजारों लोगों तक पहुंच चुकी है। इस पोस्ट में उन्होंने दिल्ली में उबेर की कैब चला रही उस लड़की की प्रेरक कहानी साझा की है जिसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा दी थी, क्योंकि वो नहीं चाहते थे कि बेटी पढ़े। लेकिन, वो कैब चलाकर अपनी 12वीं की पढ़ाई कर रही है। ओलिविया ने 13 नवंबर को अपनी पोस्ट में लिखा कि मैंने साकेत दिल्ली से गुड़गांव जाने के लिए उबेर कैब ली। वो क्या यादगार सफर था क्योंकि उसमें

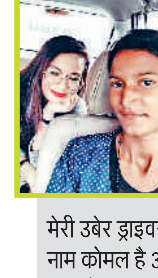

मेरी उबेर ड्राइवर एक बड़े सपनों वाली छोटी-सी लड़की थी। उस लड़की का नाम कोमल है और वो 19 साल की है। घर पर एक छोटा और दो बड़े भाई बहन हैं। बचपन से पढ़ाई में होनहार कोमल इन दिनों अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए दिल्ली की सड़कों पर उबेर कैब चला रही है। कैब चलाते हुए उसे एक साल हो चुके हैं। इस साल वो अपनी 12वीं की बोर्ड परीक्षा देगी। उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़ा दी थी। इसीलिए उसने ये साहसी कदम उठाया और फिर से अपने को इनरोल कराके पढ़ाई शुरू कर दी।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

कुछ महिलाओं की चाहत होती है कि वे हर मामले में परफेक्ट हों, इसके चलते वे ऐसे दबाव में आ जाती हैं, जो उन्हें तनाव देता है। हमें इस वास्तवितता को समझना चाहिए कि कोई भी परफेक्ट मदर, परफेक्ट वाइफ और परफेक्ट प्रोफेशनल पर्सन नहीं बन सकता। इसलिए हमें परफेक्ट बनने के बजाय ऐसी कोशिशें करनी चाहिए, जो खुद को संवारे, यूनीक बनाए और आज को बीते हुए कल से बेहतर बनाए।

हरिभूमि सहेली

क्या आप चाहती हैं कहलाएं एकदम परफेक्ट

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

जाने क्यों और कैसे, हर काम में परफेक्ट होना, हर बात में सही सलीका अपनाना और जिम्मेदारी के हर मोर्चे पर एक आदर्श उदाहरण पेश करने का दायित्व स्त्रियों के हिस्से आ गया। जबकि मानव स्वभाव को लेकर यह भी माना जाता है कि कोई इंसान परफेक्ट नहीं होता, लेकिन महिलाओं से हर हाल में परफेक्ट होने की उम्मीद की जाती है। तकलीफदेह बात तो यह है कि महिलाएं खुद भी अकसर परफेक्ट बनने के दबाव को लेकर तनाव में रहती हैं। कई शारीरिक-मानसिक समस्याओं से घिर जाती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि वे अपने व्यक्तित्व और व्यवहार के हर पहलू को बदलने के दबाव में न आएं। साथ ही किसी के जैसा या कुछ ऐसा या वैसा, बन जाने के खांचे में फिट होने की सनक से भी बचें।

बेहतर बनिए

परफेक्शन की चाहत आपको पूर्णता तो नहीं देती लेकिन मन में एक अधूरापन जरूर ला देती है, अपनी अच्छाइयों के बजाय कमियों पर फोकस करने की ओर ले जाती है। इसीलिए परफेक्ट बनने की कोशिश करने के बजाय खुद को और बेहतर बनाने की कोशिश कीजिए। आदर्श या अव्वल हो जाने के बदलाव की नहीं, बेहतरी की राह पर चलने की सोचें। यों भी पूरी तरह खुद को आदर्श व्यक्तित्व बनाने के फेर में पड़ने के बजाय अपने आपको संवारने की कोशिशें ज्यादा अच्छी होती हैं। ऐसी कोशिशें, जिनमें आप खुद को तराशें और आज को बीते हुए कल से बेहतर बना सकें। साथ ही आने वाले कल की बेहतरी की बुनियाद भी रख सकें। ऐसे प्रयास परफेक्शन के पहलू पर सोचने के नहीं होते, बल्कि जिंदगी के सफर को मन भर जीने का जरिया बनते हैं।

खुशियां बटोरिए

यह सच है कि आप बहुत सारी चीजों में परफेक्ट नहीं हैं, लेकिन यह बात भी सच है कि बहुत सारी चीजें आपके बिना परफेक्ट नहीं हैं। इसीलिए खुद को सही-सही स्वीकारने, अपने हिस्से की खुशियां बटोरने के लिए अपने बारे में अच्छा महसूस करने की आदत डालिए। खुद को जानने और स्वीकारने के भाव के प्रति सहज रहना सीखिए। आप भीतर या बाहर से जो भी हों, अपने आप पर स्नेह लुटाइए। आप जो कुछ भी करें, उसमें हर हाल में अव्वल नहीं रह सकतीं। परफेक्ट मदर, परफेक्ट वाइफ और परफेक्ट प्रोफेशनल पर्सन नहीं बन सकतीं। हां, जो

कुछ कर रही हैं, उसे मन से कीजिए, अपनी उस खास भूमिका को एंज्वॉय करना सीखिए। अनुभव बटोरिए और सहजता से आगे बढ़ जाइए। खुद पर परफेक्ट बनने या बने रहने का अस्वाभाविक दबाव मत बनाइए। याद रखिए, बिना किसी दबाव के जीना, अपने जैसा होना ही आपको सच्ची खुशी दे सकता है।

कोई परफेक्ट नहीं होता

खुद को इंपरफेक्ट समझते हुए एक बड़ी गलती दूसरों को परफेक्ट समझ लेने की भी होती है। जबकि सच तो यह है कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है। इसीलिए अपने-परायों के बीच खुद को कमतर आंकने की सोच मन में न आने दें। यह आपके आत्मविश्वास और स्वाभिमान को चोट पहुंचाने वाले विचार हैं। खुद के प्रति सकारात्मक होकर हमेशा मजबूती से डटी रहें। इतना ही नहीं, इस बात की भी परवाह मत कीजिए कि लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं? ऐसी सोच हर पहलू पर आपका अपना नुकसान ही करती है। हर इंसान में कुछ न कुछ खास जरूर होता है, लेकिन कोई भी इंसान आदर्श व्यक्तित्व का धनी नहीं होता। आप अपनी खासियत को कायम रखिए, यह परफेक्ट होने से ज्यादा अच्छा है। ●

दूसरों से भी उम्मीद न लगाएं

कई बार मन सिर्फ इस बात को लेकर दुखी हो जाता है कि आपने जिस इंसान को हर तरह से परफेक्ट समझा, वह इंसान कुछ अलग ही निकलता है, उसमें कई कमियां दिखने लगती हैं। ऐसे में हैरान-परेशान न हों। यह जान लें कि कोई इंसान पूरी तरह परफेक्ट नहीं होता। अफसोस कि यह जानते-समझते हुए भी हम अपने जीवन साथी, दोस्तों, रिश्तेदारों और आस-पड़ोसियों से परफेक्ट होने की उम्मीद लगा लेते हैं। नतीजतन, उनसे हमारी अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। हमारे मन में उनकी एक खास छवि बन जाती है, जबकि कोई भी इंसान किसी एक खांचे में फिट नहीं हो सकता। कई बार समय और हालात भी इंसान को बदल देते हैं। इन सभी बातों को सहजता से स्वीकार कीजिए। न तो खुद को परफेक्ट बनाने की सोचिए और न ही दूसरों से हर हाल में परफेक्ट रहने की उम्मीद करिए। ●

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. राजीव कपिल
सीनियर फिजीशियन
दिल्ली

जब बार-बार हो वायरल फीवर

मेरी उम्र 33 साल है। मुझे एक महीने में दो बार वायरल फीवर हो गया, जबकि मैं दवा का पूरा कोर्स कर चुकी थीं। कृपया बताएं क्या करूं, जिससे बार-बार वायरल फीवर न हो।

\- तारा, बिलासपुर

वायरल फीवर का कोई कोर्स नहीं होता है, इस पर लक्षण आधारित दवाई दी जाती है। आप यह चेक करें कि पहले आपको वायरल फीवर हुआ था या कोई दूसरा फीवर। टाइफाइड में इसी तरह फीवर आता है, इसलिए टाइफाइड की जांच कराएं। इसके अलावा आप एक बार टीबी की भी जांच कराएं। इससे असल कारण का पता चलेगा और उपचार शुरू हो जाएगा।

मेरी उम्र 21 साल है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही मुझे जुकाम हो जाता है जो लंबे समय तक बना रहता है। इस समस्या से बचने के लिए क्या करूं?

\- गौतमी, चांपा

आपकी समस्या सुनने के बाद ऐसा लग रहा है कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, इस वजह से ठंड शुरू होते ही आप सर्दी-जुकाम की चपेट में आ जाती हैं। इसलिए आपको रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। खट्टे फल जिसमें विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है, वो खाएं और अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं।

मेरी उम्र 32 साल है। कुछ सालों पहले मुझे टीबी हुआ था। जिसका ट्रीटमेंट भी किया था। पिछले पंद्रह दिनों से मुझे खांसी हो रही है। डर लग रहा है कि कहीं दोबारा टीबी की समस्या न हो जाए।

\- अंबिका, भिलाई

आप दोबारा से टीबी की जांच करा लें, क्योंकि कई बार एक बार टीबी होने के बाद दोबारा होने की संभावना रहती है। अगर जांच नॉर्मल निकले तो इंफेक्शन भी हो सकता है। इसके लिए आप खून जांच कराएं।

मेरी उम्र 26 साल है। एसिडिटी, कब्ज की समस्या रहती है। मुझे कैसा खान-पान रखना चाहिए, जिससे यह समस्या दूर हो जाए।

\- विशाखा, कोरबा

जैसा आप बता रही हैं कि आपको एसिडिटी की समस्या है तो सबसे पहले आप खाने में ऑयली-स्पाइसी डाइट लेना बंद कर दें। इसके अलावा बाजार का खाना भी कम कर दें। साथ ही खाने में सलाद और दिन में दही शामिल करें। कब्ज से राहत पाने के लिए आप रात में हल्का खाना खाएं और खाने के बाद तुरंत न सोएं। खाने के 3 घंटे बाद सोएं और और सुबह टहलें जिससे कब्ज में राहत मिलेगी। सही लाइफस्टाइल से कभी भी इस तरह की समस्या नहीं होती है।

मेरी उम्र 55 साल है। कुछ दिनों से रात के समय शरीर और जोड़ों में दर्द होता है। सुबह और दिन भर ऐसी कोई समस्या नहीं होती है। कृपया बताएं ऐसा क्यों हो रहा है?

\- मंजरी, रोहतक

आप सबसे पहले हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें क्योंकि आपको रात में दर्द होता है। दरअसल, अर्थराइटिस की वजह से जोड़ों में दर्द शुरू होता है। अगर पूरी बॉडी में दर्द हो रहा है तो जरूर एक बार खून की जांच कराएं। ●

यदि आप हेल्थ से जुड़ी किसी प्रॉब्लम से परेशान हैं, तो तुरंत हमें लिख भेजिए। हमारा पता है- संपादक-सहेली, हेल्थ क्वेस्ट
हरिभूमि, सी-101, 102 न्यू मुल्तान नगर, दिल्ली-56
या ई-मेल करें- saheli@haribhoomi.com

सजेशन
सरस्वती रमेश

टेंशन की करें यों छुट्टी रहें हैप्पी

हम अकसर किसी बात को लेकर तनाव से घिर जाते हैं। इसके कारण हमारे जीवन से खुशी, उत्साह दूर हो जाता है, धीरे-धीरे उदासी और निराशा हम पर हावी होने लगती है। अगर ध्यान न दिया जाए तो यही तनाव, डिप्रेशन में भी बदल जाता है। सवाल है, हम इस स्थिति तक पहुंचे ही क्यों? तनाव जब भी परेशान करे तो उसे दूर करने की कोशिश करें, इसके लिए अपनी रूटीन लाइफ में कुछ हॉबीज को जगह दें। इनके जरिए जीवन में खुशी, उत्साह फिर लौट आएगा।

जाएं प्रकृति के करीब

प्रकृति के करीब जाने से, कुछ वक्त बिताने से तनाव दूर होता है। यह बात कई रिसर्च से भी साबित हो चुकी है। अगर आपके पास पार्क में जाने का समय नहीं है तो आप अपनी छत या बालकनी पर पक्षियों के लिए दाना डालें। उनके लिए एक मिट्टी के बर्तन में पीने का पानी रखें। जब ढेर सारे पक्षियों की चहचहाहट आपको सुनाई देगी तो आपका तनाव दूर होने लगेगा। आप यकीन कीजिए, कुछ ही दिनों में वो पक्षी भी आपको अपना मानने लगेंगे। हर सुबह आपका इंतजार करेंगे। इस ख्याल से भी आपके मन को बहुत खुशी मिलेगी।

इसी तरह अपनी छत पर पौधे उगाने लायक थोड़ी-सी जगह की व्यवस्था करें। छत न हो तो बालकनी में गमले रख सकती हैं। उसमें गुलाब, डहेलिया, गुड़हल, मनी प्लांट या मौसमी पौधे लगाएं। हर रोज पौधों को पानी दें, उनकी देखभाल करें। पौधों को बढ़ता और खिलता हुआ देखकर आपको बहुत अच्छा लगेगा। इससे प्रकृति से आपका रिश्ता मजबूत होगा और तनाव दूर होगा।

डांस-योगा करें

कहते हैं स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है। अगर किसी बात को लेकर तनाव होता है तो नींद ठीक से नहीं आती। नींद न आना भीतर से अस्वस्थ रखता है। ऐसे में अगर डांस या योगा नियमित रूप से किया जाए तो मन एकाग्र होने के साथ ही तंदुरुस्त भी होता है। योगा, डांस जैसी एक्सरसाइज करने से अच्छी नींद आती है। अगर आप तनाव से ग्रस्त हैं तो डांस, योगा को अपनी डेली लाइफ का हिस्सा बनाएं।

आर्ट-क्राफ्ट में रुचि

अगर आप आर्ट, क्राफ्ट में रुचि रखती हैं तो पेंटिंग कर सकती हैं, कोई क्राफ्ट बना सकती हैं। हफ्ते में एक दिन जरूर इस काम के लिए समय निकालिए। अपने हाथ से कोई क्रिएटिव चीज बनाने की कोशिश करिए, इससे आपके मन को खुशी मिलेगी। साथ ही ऐसा करने से दूसरी बातों से ध्यान हट जाएगा, माइंड भी फ्रेश होगा। क्रिएटिव वर्क करने से, इसे अपनी लाइफ का हिस्सा बनाने से आपका तनाव दूर होगा और आपके मन को बहुत संतुष्टि, सुकून मिलेगा।

वैकेशन पर जाएं

घर में मन नहीं लग रहा या ऑफिस के काम की वजह से तनाव बढ़ रहा है तो वैकेशन प्लान करें। आप वीकेंड में भी यह प्रोग्राम बना सकती हैं।

एक बात का ध्यान रखें कि आप जहां जाएं, वह जगह शोर-शराबे से मुक्त होनी चाहिए। अगर वैकेशन पर जाना पॉसिबल नहीं है तो संडे के दिन अपने शहर में किसी आर्ट गैलरी, म्यूजियम या हिस्टोरिकल प्लेस पर जा सकती हैं। इन बातों को, हॉबी को अपनाकर आप अपनी लाइफ से तनाव को हमेशा के लिए दूर कर सकती हैं। ●

मुस्कुराहट का जादू...

बिहेवियर
शिखा जैन

जब भी हम कोई मुस्कुराता चेहरा देखते हैं तो हमारे होंठों पर भी मुस्कान आ जाती है। यह मुस्कुराहट का जादू है। सोचिए, पल भर के लिए किसी की मुस्कुराहट देखकर हम खुश होते हैं तो जब हम खुद मुस्कुराएंगे, तो उसका असर हमारी जिंदगी पर कितना होगा। इसलिए मुस्कुराहट को अपने होंठों पर हमेशा बनाए रखिए। ऐसा होने पर आपकी लाइफ में बहुत से पॉजिटिव चेंजिस आएंगे।

निखरेगी पर्सनालिटी

आपने गौर किया होगा कि हंसते-मुस्कुराते चेहरे ही आपको ज्यादा याद रहते हैं। जैसे घर के आस-पास कई पड़ोसी रहते हैं लेकिन आपका दिमाग किसी हंसते-मुस्कराते शख्स को ही याद रख पाता है। इस तरह वह आपके जेहन में बस जाता है। ऐसे ही आप भी दूसरों के दिलों में खास जगह बनाने के लिए, मुस्कुराहट की अहमियत समझिए। ●

खबर संक्षेप

रीयल्टी क्षेत्र में 14 अरब डॉलर का निवेश

बेंगलुरु। देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र में 2015 से 2019 की तीसरी तिमाही के बीच करीब 14 अरब डॉलर का विदेशी निजी इक्विटी निवेश आकर्षित हुआ है। एनारॉक के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इनमें से करीब 8.8 अरब डॉलर यानी 63 प्रतिशत का निवेश वाणिज्यिक रीयल एस्टेट क्षेत्र में आया है।

कमजोर वैश्विक रुख से सोना 85 रु. टूटा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर रुख से दिल्ली सराफा बाजार में सोना 85 रुपए टूटकर 38,775 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। शनिवार को सोना 38,860 रुपए प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा कि दिल्ली में 24 कैरट सोने का हाजिर दाम 85 रुपए नीचे आ गया।

टाटा मोटर्स का लिथियम अरबन से गठजोड़

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने इलेक्ट्रानिक वाहन उपलब्ध कराने वाली लिथियम अरबन टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता किया है। यात्री, माल ढुलाई समेत विभिन्न खंडों में वाहनों के समाधान को लेकर यह समझौता किया गया है। समझौते के तहत चालू वित्त वर्ष के अंत तक वह 400 टिगोर इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) लिथियम अरबन को आपूर्ति करेगी। समझौते के तहत कंपनी आने वाले नेक्सोन ईवी जैसे 100 और इलेक्ट्रिक वाहन भी उपलब्ध कराएगी।

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी सरकार पर बरसे मनमोहन सिंह, जताई चिंता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि विकास की दर पिछले 15 सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी है, बेरोजगारी दर 45 सालों के उच्चतम स्तर पर है, घरेलू मांग चार दशक के निचले स्तर पर पहुंच चुकी है।

- बेरोजगारी की दर पिछले 45 सालों के न्यूनतम स्तर पर

बैंक पर बैड लोन का बोझ सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच चुका है, इलेक्ट्रिसिटी की मांग 15 सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी है, कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था की हालत बेहद गंभीर है। यह बात उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में अपने एक लेख में कहा है, साथ में यह भी कहा कि यह बात मैं विपक्ष के नेता के रूप में नहीं कह रहा हूं।

विकास दर पिछले 15 सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंची

देश की आर्थिक हालत ठीक नहीं

मनमोहन सिंह का बयान ऐसे समय में आया है जब देश के वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन कहा कि देश की आर्थिक हालत ठीक है। जीडीपी 7.5 फीसदी की रफ्तार से विकास कर रही है जो जी-20 देशों में सबसे ज्यादा है।

सरकारी तंत्र के प्रति विश्वास कम हुआ

मनमोहन सिंह ने अपने लेख में साफ-साफ कहा है कि देश की तमाम संस्थाओं और सरकार के प्रति लोगों का विश्वास कम हुआ है। आर्थिक सुस्ती के लिए ये प्रमुख कारणों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था वहां की सामाजिक स्थिति को दर्शाती है।

उद्योगपति नया प्लांट डालने में डर रहे

डर के माहौल की वजह से बैंकर लोन देने में हिचकिचा रहे हैं, उद्योगपति नए प्लांट और प्रोजेक्ट शुरू करने में डर रहे हैं, टेक्नॉलजी स्टार्टअप सर्विलांस के कारण डर रहे हैं, सरकारी एजेंसियों और संस्थानों के अधिकारी सच बोलने से डर रहे हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अर्थव्यवस्था की गाड़ी में पहिए की तरह काम करते हैं, लेकिन हर कोई डरा हुआ है और विकास की गाड़ी धीमी पड़ गई है।

सरकारी तंत्र से डरने लगे है उद्योगपति

अर्थव्यवस्था के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण होता है कि उस देश के लोग वहां के संस्थानों पर कितना भरोसा करते हैं। यह संबंध जितना मजबूत होगा, अर्थव्यवस्था की नींव उतनी मजबूत होगी। मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के कई बड़े उद्योगपति खुद को डरा हुआ महसूस कर रहे हैं। वे सरकारी तंत्र से डरने लगे हैं।

बयान : आईएसएसडीए ने कहा, खपत में 100 फीसदी की वृद्धि

देश में स्टेनलेस स्टील की प्रति व्यक्ति खपत 2.5 किलोग्राम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में स्टेनलेस स्टील की प्रति व्यक्ति खपत बढ़कर 2.5 किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इंडियन स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएसएसडीए) ने यह बात कही।

एसोसिएशन ने बयान में कहा कि 2010 में स्टेनलेस स्टील की प्रति व्यक्ति खपत 1.2 किलोग्राम थी। यह 2019 में बढ़कर 2.5 किलोग्राम हो गई है। इस दौरान, खपत में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

स्टील की मांग देश में सबसे ज्यादा

बयान में इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के हवाले से कहा गया है, देश में स्टेनलेस स्टील की मांग सालाना आधार पर 6-7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यह विश्व में सबसे अधिक है। स्टेनलेस स्टील की मांग सीधे आर्थिक वृद्धि से जुड़ी है।

2010 तक प्रति व्यक्ति खपत 1.2 किलोग्राम थी

खास बातें

- स्टील की मांग सालाना आधार पर 6-7 फीसदी बढ़ रही
- इस मांग को विश्व में सबसे अधिक बताया गया
- स्टेनलेस स्टील की मांग सीधे आर्थिक वृद्धि से जुड़ी

भारत अब तेजी से बढ़ता बाजार

आईएसएसडीए के अध्यक्ष केके पाहुजा ने कहा कि एसोसिएशन ने नए स्टेनलेस स्टील के उपयोग को बढ़ावा दिया है। स्टेनलेस स्टील के लिए अब भारत सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने कहा कि 2.5 किलोग्राम खपत का लक्ष्य हासिल करने के साथ भारत महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गया है।

घरेलू उद्योगों की मुश्किलें दूर होंगी

एसोसिएशन ने इन मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाया है और घरेलू उद्योग की मुश्किलों को दूर करने पर काम कर रहा है।

आधे उद्योग सस्ते आयात से प्रभावित

एसोसिएशन ने कहा, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र में करीब आधे उद्योग सस्ते आयात से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, स्टेनलेस स्टील कबाड़ और फेरो निकेल जैसे प्रमुख कच्चे माल की अधिक लागत भारतीय उत्पादों को कम प्रतिस्पर्धी बनाते हैं।

उच्च खपत वाले देशों की सूची में भारत शामिल

देश उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जहां स्टेनलेस स्टील खपत में उच्च वृद्धि दर्ज की गई है। आईएसएसडीए ने कहा कि आसियान, जापान और कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते के कारण वहां के उत्पादों को आने में कम रुकावट से मांग-आपूर्ति की स्थिति खराब हुई है और इसका घरेलू विनिर्माताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

आईटी कंपनियां कर सकती है 40 हजार तक कर्मचारियों की छंटनी

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

देश की सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियां कारोबार में नरमी के चलते इस साल मध्यम स्तर के 30,000 से 40,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज मोहनदास पई ने कहा। आईटी कंपनी इन्फोसिस के मुख्य वित्त अधिकारी रहे पई ने नौकरी जाने की इस तरह बातों को एक सामान्य बात करार दिया। उन्होंने कहा कि परिपक्व उद्योग में हर पांच साल में एक बार तो ऐसा होती है। पई ने कहा, पश्चिम में यह सभी क्षेत्रों में होता है। भारत में भी जब कोई क्षेत्र परिपक्व होता है तब वहां मध्यम स्तर पर कई कर्मचारी होते हैं जो प्राप्त वेतन के अनुसार मूल्य वर्द्धन नहीं कर पाते।

- परिपक्व उद्योगों में हर पांच साल में एक बार ऐसा होता है : पई
- पश्चिमी देशों में यह सभी क्षेत्रों में होता है

उन्होंने कहा कि जब कंपनियां तेजी से वृद्धि करती हैं तब पदोन्नति होती हैं लेकिन जब इसमें नरमी आती है, तब जो लोग उच्च स्तर पर मोटी तनख्वाह लेते हैं, उनकी संख्या बढ़ती जाती है। ऐसे में कंपनियों को समय-समय अपने कॉबल का पुनर्निर्धारण करना होता है और लोगों की छंटनी करनी होती है। आरिन कैपटल एंड मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के चेयरमैन पई ने कहा, 'यह चीज हर पांच साल पर होती है।'

नौकरी गंवाने वालों के लिए होंगे अवसर

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि नौकरी गंवाने वाले करीब 80 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर होंगे बशर्ते वे अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हों।

मूल्य के अनुसार काम आना चाहिए

पई ने कहा, 'जबतक आप उस अनुसार प्रदर्शन नहीं करते हैं, मोटी तनख्वाह का कोई मतलब नहीं हैं-आपको मूल्य के अनुसार काम करना होगा।' यह पूछे जाने पर कि मझोले स्तर पर कितने कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है, पई ने कहा, 'पूरे उद्योग में 30,000 से 40,000 लोगों की छंटनी हो सकती है।'

सिंगापुर भारत में निवेश के लिए बनाए कोष

सिंगापुर। सिंगापुर को भारतीय स्टार्टअप में निवेश के लिए एक अरब डॉलर के एक कोष की व्यवस्था करनी चाहिए। मोहनदास पई ने स्टार्टअप पारिस्थितिकी विकसित करने में सिंगापुर और भारत की भागीदारी की अच्छी संभावनाएं जताते हुए कहा कि भारत में कम से कम 1000 स्टार्टअप में निवेश करने के लिए एक अरब डॉलर का कोष बनाया जाना चाहिए।

यस बैंक ने लगाया चार प्रतिशत का गोता

आर्थिक सुस्ती की चिंता से सेंसेक्स 72 अंक टूटा

एजेंसी ⏭ मुंबई

आर्थिक नरमी को लेकर बढ़ती चिंता के बीच निजी बैंक, आईटी और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में गिरावट से सेंसेक्स में 72 अंक की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स सुबह में बढ़त के साथ खुला और आईटी, बैंकिंग और पेट्रोलियम एवं गैस कंपनियों की शेयरों में गिरावट से दोपहर बाद के कारोबार में इसमें गिरावट देखी गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 72.50 अंक यानी 0.18 प्रतिशत गिरकर 40,284.19 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 10.95 अंक यानी 0.09 प्रतिशत घटकर 11,884.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में यस बैंक में सबसे ज्यादा 4.08 प्रतिशत तक की गिरावट रही।

इनमें रही गिरावट : *इसके अलावा, बजाज ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी बैंक, ओएनजीसी और टीसीएस के शेयर 2.05 प्रतिशत तक गिर गए।*

ये शेयर चढ़े : *इसके विपरीत, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, सन फार्मा, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, वेदांता और टाटा मोटर्स के शेयर 4.60 प्रतिशत तक चढ़े।*

भारत में अमेजन का प्रदर्शन अच्छा

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज अमेजन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेफ बेजॉस ने कहा है कि कंपनी भारत में 'बेहद अच्छा' प्रदर्शन कर रही है।

- भारत में नियामकीय मोर्चे पर स्थिरता की उम्मीद जताई

उन्होंने भारत में नियामकीय मोर्चे पर स्थिरता की उम्मीद जताई। बेजॉस से पूछा गया था कि डिजिटलीकरण को लेकर भारत की कुछ नीतियां क्या अमेजन के लिए चिंता का विषय हैं। बेजॉस ने कहा कि हम हमेशा चाहते हैं कि भारत में नियामकीय स्थिरता हो। जो भी नियमन हों समय के साथ उनमें स्थिरता आनी चाहिए। हम इसी की उम्मीद कर रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम के मौके पर अलग से बातचीत में बेजॉस ने कहा कि अमेजन भारत में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

अमेरिकी नियामक के निरीक्षण से भारतीय दवा निर्यात धीमा पड़ा

हैदराबाद। दवा क्षेत्र के अमेरिकी नियामक यूएसएफडीए के बार-बार भारतीय दवा कंपनियों के संयंत्रों का निरीक्षण करने के चलते देश के दवा निर्यात में नरमी देखी जा रही है। यह स्थिति तब है जब अमेरिका-चीन के बीच व्यापार युद्ध की वजह से दवा उद्योग के सामने व्यापक अवसर मौजूद हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की दवा उद्योग की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन जीवी प्रसाद ने यह बात कही।

प्रसाद डॉक्टर रेड्डी लेबोरेटरीज के को- चेयरमैन और प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार निरीक्षण का भारतीय दवा निर्यात पर प्रभाव पड़ा है और दवा निर्यात में नरमी की एक बड़ी वजह यही है। प्रसाद ने कहा कि कई कंपनियों को मिलने वाली अनुमति लटक गयी है और जबकि कई को चेतावनी पत्र मिले हैं। इसने नए उत्पादों की पेशकश और उनकी वृद्धि को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को गुणवत्ता, व्यवस्था, अनुशासन, आंकड़ों के एकीकरण को लेकर अपना स्तर ऊंचा करना होगा। यह सभी बातें उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रसाद के अनुसार वैश्विक दवा उद्योग के लिए दवा बनाने में लगने वाले विभिन्न अवयवों, सामग्री और रसायनों के लिए चीन एक बड़ा स्रोत बाजार है। लेकिन अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध ने पश्चिमी देशों को अपनी एशियाई देशों पर निर्भरता को लेकर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य किया है।

अन्य देशों से भारत में दवा सस्ती

इसलिए दवा पर लगने वाले शुल्कों पर इसका असर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को प्राथमिक स्वास्थ्य पर और निवेश करने की जरूरत है। भारत में अन्य देशों के मुकाबले दवा सस्ती है। इसमें जनता की क्रयशक्ति एक अहम मुद्दा है क्योंकि देश में कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम नहीं है।

नीति आयोग ने पेश की रूपरेखा

मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था बनाने की तैयारी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरकार अब मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था तैयार करने पर विचार कर रही है। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए होगी जो अबतक किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के दायरे में नहीं आते।

- योजना के दायरे में अब तक नहीं जुड़े लोग

नीति आयोग ने इसकी रूपरेखा जारी करते हुए यह बात कही। इस नई स्वास्थ्य प्रणाली में उनको शामिल नहीं किया जाएगा जो आयुष्मान भारत योजना के दायरे में हैं। हाल में शुरू इस योजना के दायरे में कुल आबादी का 40 प्रतिशत आता है।

गरीबों के लिए पहले से आयुष्मान योजना

इसमें मध्यम वर्ग पर गौर किया गया है क्योंकि गरीबों के लिये पहले ही आयुष्मान भारत योजना शुरू की जा चुकी है जबकि जो आर्थिक स्थिति से सबल हैं, वे चिकित्सा खर्च को उठाने में सक्षम हैं।

40 फीसदी आबादी को 5 लाख का बीमा कवर

स्वास्थ्य सेवा का बेहतर खरीदार बनाने के लिए नागरिकों का सशक्तिकरण करना और डिजिटल स्वास्थ्य की शक्ति का लाभ पाना इनमें शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के तहत कुल आबादी का 40 प्रतिशत नीचे के तबकों को 5 लाख रुपए तक का बीमा कवर उपलब्ध कराया जा रहा है।

युवा आबादी के कारण भारत का भविष्य उज्ज्वल

कुमार ने कहा कि मध्यम वर्ग में आने वाले लोगों को अगर देश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व्यवस्था के निर्माण के लिए 200 या 300 रुपए देने पड़ते हैं, तो उन्हें कोई समस्या नहीं होगी। यह योजना व्यवहारिक लग रही है। इस मौके पर बिल गेट्स ने कहा कि युवा आबादी के कारण भारत का भविष्य काफी उज्ज्वल है। कुमार ने कहा, करीब 50 प्रतिशत आबादी अभी भी किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ी नहीं है-उनके लिए उनसे मामूली राशि लेकर ऐसी प्रणाली तैयार करने का विचार है जो मध्यम वर्ग की स्वास्थ्य देखभाल जरूरतों को पूरा कर सके।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

चिकित्सा

शराब छुडवायें हमेशा के लिए
बिना लाये बिना बताये वो भी सिर्फ 7 दिन में
शराब, स्मैक, अफीम, चरस, गांजा आदि
दुर्गा आयुर्वेदा
9717530680
9917617243

बॉडी बनाएं
कोर्स मात्र 650/- महीना
फायदा न होने पर पैसे वापस
कद बढ़ाए
छोटा कद होने से अगर आपको शर्मिंदा होना पड़ता है तो आज ही हमारी आयुर्वेदिक दवा लें और कद बढ़ाए।
कोर्स 1000/- महीना
दीपक आयुर्वेदा
रमणीक कॉम्पलेक्स, दुकान न.22, तिकोना पार्क, NIT फरीदाबाद
0129-4310055, 4310066

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ज्योतिष

तांत्रिक शक्ति के बेताज बादशाह
बाबा शेख साहब बंगाली
कहते नही कर के दिखाते है
3 घंटों में 101% गरांटेड समाधान
जैसे कारोबार में बंदिश, मनचाही शादी में रूकावट, रूठे को मनाना, मनचाहा प्यार, प्यार में धोखा खाये मिले, बिमारी में दवा ना लगना, पति-पत्नी में अनबन, सास-बहू में झगड़ा, जादु-टोना, विदेश यात्रा, चौकी छोड़ने के माहिर
स्पे. महामुठकरणी व वशीकरण सौतल व दुश्मन से छुटकारा
9997322441
लक्ष्मी नगर मैट्रो स्टेशन, नई दिल्ली
निराश अवश्य मिलें

हमसे पहले काम करने वालों को मुंहमांगा ईनाम
खुला चैलेंज तंत्र मंत्र सम्राट
घर बैठे 2 घंटे में समाधान
बाबा बंगाली
स्पेशलिस्ट वशीकरण मुठकरनी
प्रेमविवाह, सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति, पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा रूठे को मनाना, कारोबार, तलाक में बाधा, संतान या विदेश यात्रा में रूकावट सभी जगह से निराश फोन करें
9068531853

ज्योतिष

17 सालो से एक स्थान पर
बाबा बली शाह
5 घंटो में 100% गारंटिड समाधान जैसे मनचाही शादी, मनचाहा प्यार, रूठे को मनाना, कारोबार, पति-पत्नी में अनबन, प्यार मे धोखा खायें मिलें, सौतन/दुश्मन छुटकारा, जादू-टोना
स्पे. वशीकरण, मुठकरणी आदि
9917598041
Fees ₹200/-
पता : राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन, दिल्ली

मेरा किया जो काटे उसे मुंहमांगा ईनाम
तंत्र मंत्र सम्राट भारत के नं० 1
पंडित अर्जुन शर्मा
शक्ति चमत्कार देखें 21 मिनटों में घर बैठे समाधान
स्पेशलिस्ट महावशीकरण मुठकरनी
मनचाहा प्यार, सौतन, दुश्मन से छुटकारा, पति, पत्नी में अनबन, नौकरी, कारोबार, विदेश यात्रा में बाधा, मुकदमा, गड़ा धन, प्यार में धोखा आदि । हर जगह से निराश हो चुके हों तो एक फोन आपकी जिंदगी बदल देगा ।
9012661598
8191087356

चिकित्सा

हमसे पहले काम करने वालों को मुंहमांगा ईनाम
खुला चैलेंज तंत्र मंत्र सम्राट
घर बैठे 2 घंटे में समाधान
गुरूओं के गुरू
गुरू विशाल शर्मा
स्पेशलिस्ट वशीकरण मुठकरनी
प्रेमविवाह, सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति, पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा रूठे को मनाना, कारोबार, तलाक में बाधा, संतान या विदेश यात्रा में रूकावट सभी जगह से निराश फोन करें
9540382877
9540382864

लोन

☛ धोखेबाजों से सावधान श्रीराम फाइनेंस कंपनी (REGISTERED) 1972 द्वारा मार्कशीट, प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, लोन घरबैठे पाएं (वार्षिक ब्याज 2%) (सब्सिडी 50% छूट) (ONLINE बैंकिंग का लाभ उठाएं) HELPLINE :- 87652-94056, 87652-89837

☛ सभी योजनाओं के अंतर्गत भारतीय फाइनेंस मार्कशीट, प्रॉपर्टी, पर्सनल, आधारकार्ड, एग्रीकल्चर लघुउद्योग व समस्त लोन 2% ब्याज, 40% छूट, महिलाओं विद्यार्थियों व फौजी भाइयों को विशेष छूट 074296-81655, 074296-79558

☛ गायत्री फाइनेंस समस्त लोन घर बैठे पाये मात्र 24 घंटों में आधारकार्ड, मार्कशीट, होमलोन, बिजनेस, पर्सनल, प्रोपर्टी 2% ब्याज 40% छूट महिलाओं/विद्यार्थियों को विशेष छूट धोखेबाजों से सावधान 70410-64137

☛ पैसा लेते नहीं धोखा देते नहीं JEEVAN BHARTI FINANCE जनधन योजना के अंतर्गत होम, पर्सनल, मार्कशीट, महिला ग्रुप लोन व सभी प्रकार के लोन ब्याज 1% छूट 40% एजेंट आमंत्रित 94664-34770

खबर संक्षेप

हरमीत ने जीता इंडोनेशिया टेटे ओपन का खिताब

नई दिल्ली। ऑल इंडियन फाइनल में दुनिया के 104वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने कड़े फाइनल मुकाबले में अमलराज को 11-9, 9-11, 11-9, 11-9, 10-12, 11-9 से हराकर खिताब जीता। हरमीत का 2019 में यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय खिताब है। हरमीत और अमलराज ने इससे पहले पुरुष युगल के भी सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में मेन हो क्वान और स्यू हेंग लैम की हांगकांग की जोड़ी के खिलाफ 7-11, 9-11, 9-11 से हार झेलनी पड़ी थी।

महिला बिग बैश लीग से एमिली प्रतिबंधित

होबार्ट। होबार्ट हरिकेंस की विकेटकीपर एमिली स्मिथ को क्रिकेट आस्ट्रेलिया की भ्रष्टाचार रोधी नीति के उल्लंघन के कारण सोमवार को महिला बिग बैश लीग (डब्लूबीबीएल) से प्रतिबंधित कर दिया गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया की वेबसाइट के अनुसार, 'एमिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया जो दो नवंबर को बर्नी के वेस्ट पार्क में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के लिए सीमित क्षेत्र में बनाया गया था और इसमें सिडनी थंडर के खिलाफ हरिकेंस की अंतिम एकादश की भी जानकारी थी।'

स्थानीय खिलाड़ी ली बने हांगकांग ओपन चैंपियन

नई दिल्ली। स्थानीय खिलाड़ी ली चेयुक इयू ने रविवार को हांगकांग ओपन का खिताब अपने नाम किया। खिताबी मुकाबले में ली चेयुक ने इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को 16-21, 21-10, 22-20 से हरा दिया। इससे पहले हांगकांग के इस खिलाड़ी ने पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 21-9, 25-23 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। बता दें कि ली ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सलसेन को शनिवार को 21-14, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की थी।

ओड़िशा को 20 रन से हराकर दिल्ली ने सुपर लीग के लिए क्वालीफाई किया

सूरत। आलराउंडर ललित यादव के तीन विकेट से दिल्ली ने सोमवार को यहां सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप ई मैच में ओड़िशा को 20 रन से हराकर शीर्ष पर रहते हुए सुपर लीग के लिए क्वालीफाई किया। दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 149 रन बनाए और फिर ओड़िशा को 18 . 1 ओवर में 129 रन पर समेटकर जीत दर्ज की। टीम ने सात मैचों में 22 अंक हासिल किए। शिखर धवन ने दिल्ली की ओर से 33 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 33 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज हितेन दलाल और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ध्रुव शोरे (26) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। ओड़िशा की ओर से अभिषेक राउत ने 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि गोविंदा पोद्दार, सूर्यकांत प्रधान, पप्पू राय और शुभम नायक ने एक-एक विकेट चटकाया।

रीजीजू ने विश्व पैरा चैम्पियनशिप के पदक विजेताओं को नकद राशि से सम्मानित किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सोमवार को नकद राशि से सम्मानित किया। दुबई में हुए इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल नौ पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके साथ ही तोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों के लिए 13 कोटे भी हासिल किये। पैरालंपिक के लिए भारत अब तक 23 कोटा हासिल कर चुका है। भाला फेंक के एफ64 और एफ46 प्रतियोगिता के स्वर्ण पदक विजेताओं संदीप चौधरी और सुंदर सिंह को 20-20 लाख रुपये इनाम के तौर पर दिये गये। इस दौरान संदीप चौधरी एफ 44 भाला फेंक स्पर्धा में 66.18 मीटर की दूरी के साथ विश्व रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुंदर सिंह ने कंधे की चोट के बावजूद पुरुषों की एफ46 भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

रोनाल्डो के 99वें गोल से पुर्तगाल ने यूरो 2020 के लिए किया क्वालीफाई

लक्जमबर्ग। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 99वें अंतरराष्ट्रीय गोल की मदद से गत चैंपियन पुर्तगाल ने रविवार को लक्जमबर्ग को 2-0 से हराकर यूरो 2020 फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया। पुर्तगाल को 39वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस ने बढ़त दिलाई जिसके बाद रोनाल्डो ने एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। पुर्तगाल की टीम ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही। सर्बिया ने ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने सर्बिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। अगले साल रोम में 12 जून से खेले जाने वाले यूरो 2020 के लिए क्वालीफाई करने वाला पुर्तगाल 17वां देश है। विश्व चैंपियन फ्रांस, स्पेन, इटली और इंग्लैंड भी यूरो 2020 फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

साइना कोरिया मास्टर्स से हटीं श्रीकांत की नजरें खिताब पर

एजेंसी ▸▸| ग्वांगजू

फार्म में वापसी करने वाले किदांबी श्रीकांत मंगलवार से यहां क्वालीफायर के साथ शुरू हो रहे कोरिया मास्टर्स विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे जबकि साइना नेहवाल इस प्रतियोगिता से हट गई हैं। इस साल इंडिया ओपन के फाइनल में जगह बनाने के बाद से श्रीकांत का प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा लेकिन पिछले हफ्ते हांगकांग ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद दुनिया के इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होगा।

श्रीकांत पुरुष एकल में अपने अभियान की शुरुआत हांगकांग के वोंग विंग की विन्सेंट के खिलाफ करेंगे। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने विन्सेंट के खिलाफ 10 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना

पड़ा। खराब फार्म से जूझ रही दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी साइना नेहवाल ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है लेकिन उनके अगले हफ्ते लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में खेलने की संभावना है। साइना के हटने के बाद महिला एकल में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप: फाइनल में 50 में से 42 शाट निशाने पर लगाए

कॅरियर का चौथा एवं महिला ट्रैप में श्रेयसी ने पहली बार जीता राष्ट्रीय निशानेबाजी खिताब

राजेश्वरी कुमारी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

मौजूदा राष्ट्रमंडल चैंपियन श्रेयसी सिंह ने 63वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में खिताब जीता। बिहार की रहने वाली श्रेयसी ने फाइनल में पंजाब की राजेश्वरी कुमारी को मात दी। उसने 50 में से 42 शाट निशाने पर लगाए जबकि राजेश्वरी ने 38 शाट लगाए।

- राजेश्वरी ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में टीम वर्ग का जीता स्वर्ण पदक

यह श्रेयसी के कॅरियर का चौथा व्यक्तिगत राष्ट्रीय खिताब है जबकि ट्रैप में उसने पहली बार खिताब जीता है। क्वालीफिकेशन दौर में राजेश्वरी ने 125 में से 118 स्कोर किया। श्रेयसी ने 112 का स्कोर करके चौथा स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश की प्रगति दुबे ने कांस्य पदक जीता। राजेश्वरी ने पंजाब की इनाया विजय सिंह और प्रभसुखमन कौर के साथ महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। पंजाब की तिकड़ी ने 319 अंक बनाए जबकि राजस्थान ने 311 अंक बनाकर दूसरा और मध्यप्रदेश ने तीसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली की वर्धा शर्मा ने शूटआफ में जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण जीता जबकि मप्र की मनीषा कीर ने रजत पदक हासिल किया। प्रीति रजत को कांस्य पदक मिला। मनीषा, प्रीति और नीरू ने मप्र को स्वर्ण दिलाया। हरियाणा को रजत और दिल्ली को कांस्य पदक मिला।

श्रेयसी सिंह

ओलंपिक चैनल को हिन्दी सेवा शुरू करने पर बधाई

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

खेल मंत्री किरेन रीजीजू और भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने ओलंपिक चैनल के हिन्दी सेवा शुरू करने को सोमवार को 'शानदार पहल' करार दिया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के ओलंपिक चैनल हिन्दी चैनल की शुरुआत 13 नवंबर को हुई थी। खेल के प्रशंसक आधिकारिक ओलंपिक चैनल की वेबसाइट और इसके मोबाइल ऐप पर डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। इस पहल की सराहना करते हुए रीजीजू ने ट्वीट किया,''मुझे बेहद खुशी हो रही हैं की ओलंपिक चैनल में हिंदी अब एक आधिकारिक भाषा हैं। अब इस माध्यम से भारत के ओलंपिक सफर और अपने चहेते खिलाड़ियों के बारे में हिंदी में जान सकते है। इस फैसले से ओलंपिक अभियान को भारत में बहुत बढ़ावा मिलेगा।''बत्रा ने आईओसी अध्यक्ष थामस बाक को पत्र लिख कर इस शुरुआत के लिए आभार व्यक्त किया और इसे 'शानदार पहल' करार दिया।

भारत की लगातार चौथी जीत वेस्टइंडीज को 5 रन से हराया

एजेंसी ▸▸| प्रोविडेंस

श्रृंखला पहले ही जीत चुकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्षाबाधित चौथे टी20 मैच में वेस्टइंडीज को पांच रन से हराकर चौथा टी20 मैच भी अपनी झोली में डाला। भारतीय महिला टीम अब पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 से आगे है। चौथा मैच बारिश के कारण प्रति टीम नौ ओवर का कर दिया गया।

- 9 ओवर के मैच में भारत ने 7 विकेट पर बनाए 50 रन
- वेस्टइंडीज की टीम नौ ओवर में पांच विकेट पर 45 रन ही बना सकी

भारत ने सात विकेट खोकर 50 रन बनाए। पूजा वस्त्रकार (10) दोहरे अंक तक पहुंचने वाली अकेली भारतीय रही। मेजबान के लिए हेली मैथ्यूज ने 13 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि एफी फ्लेचर और शेनेटा ग्रिमंड को दो-दो विकेट मिले। भारतीय टीम ने गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में काफी अनुशासन दिखाया। वेस्टइंडीज की टीम नौ ओवर में पांच विकेट पर 45 रन ही बना सकी। आफ स्पिनर अनुजा पाटिल ने दो विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। पांचवां ओर आखिरी मैच गुरुवार को खेला जाएगा।

नडाल ने पांचवीं बार शीर्ष खिलाड़ी के तौर पर साल का अंत किया

पेरिस। रफेल नडाल पिछले सप्ताह खेले गये एटीपी फाइनल्स के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ने के बावजूद एटीपी की सोमवार को जारी साल की आखिरी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज रहने में सफल रहे। यह पांचवीं बार है जब नडाल ने साल का अंत शीर्ष खिलाड़ी के रूप में किया है। नडाल 9,985 अंक के साथ रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सर्बिया के नोवाक जोकोविच से 840 अंक आगे हैं। जोकोविच के पास हालांकि शीर्ष पर पहुंचने का मौका था लेकिन वह लंदन में खेले गये एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे। नडाल ने पांचवीं बार शीर्ष खिलाड़ी के तौर पर साल खत्म करने के मामले में दिग्गज रोजर फेडरर और जोकोविच की बराबरी की। जोकोविच ने इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन और विम्बलडन में जीत दर्ज की जबकि नडाल ने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में जीत का परचम लहराया। फेडरर ने साल का अंत तीसरे नंबर के खिलाड़ी के तौर पर किया। एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में स्टीफानोस सिटसिपास से हार का सामना करने वाले डोमिनिक थियेम रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं।

जीत का जश्न...

सिटसिपास बने एटीपी फाइनल्स चैंपियन

लंदन। स्टीफानोस सिटसिपास ने डोमिनिक थियेम को हराकर एटीपी फाइनल्स खिताब जीत लिया। यूनान के 21 बरस के सिटसिपास ने 6-7, 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की। वह लेटन हैविट (2001) के बाद खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। यह इस सत्र में सिटसिपास का तीसरा खिताब है। उन्होंने मिलान में नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स भी जीता था। यहां उन्होंने सेमीफाइनल में छह बार के चैंपियन रोजर फेडरर को सीधे सेटों में मात दी थी।

हार से विश्व कप क्वालीफाइंग दौर से बाहर हो जाएगी टीम इंडिया

ओमान के खिलाफ भारत का करो या मरो का मुकाबला

एजेंसी ▸▸| मस्कट

अब तक चारों मैच हार चुकी भारतीय फुटबाल टीम विश्व कप क्वालीफाइंग दौर के 'करो या मरो ' के मुकाबले में मंगलवार को ऊंची रैंकिंग वाली ओमान टीम से खेलेगी। गुवाहाटी में सितंबर में खेले गए पहले चरण के मैच में पहले हाफ में सुनील छेत्री के गोल की मदद से भारत ने जीत की उम्मीद बंधाई थी लेकिन आखिरी दस मिनट में ओमान ने दो गोल करके भारत को हराया। इससे पहले 14 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ ओमान ने 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर भारत ने एशियाई चैंपियन कतर से गोलरहित ड्रा खेलने के बाद निचली रैंकिंग वाली अफगानिस्तान और बांग्लादेश टीमों से भी ड्रा खेला। तीन ड्रा और एक हार के बाद भारत ग्रुप ई में तीन अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि ओमान चार मैचों में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। कतर दस अंक लेकर शीर्ष पर है। ओमान पर अप्रत्याशित जीत से इगोर स्टिमक की टीम की उम्मीदें जीवंत रहेंगी लेकिन हारने से भारत विश्व कप 2022 क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएगा।

- भारत ग्रुप ई में तीन अंक लेकर चौथे स्थान पर

हार से नौ अंक पीछे हो जाएगा भारत

हारने पर भारत ओमान से नौ अंक पीछे हो जाएगा और उसके तीन मैच बाकी रहेंगे यानी अधिकतम नौ अंक ही मिल सकेंगे। आठों ग्रुप की उपविजेता टीम को भी तीसरे दौर में स्वतः जगह मिलना तय नहीं है। भारत को कतर (26 मार्च), बांग्लादेश (चार जून) और अफगानिस्तान (नौ जून) से खेलने हैं। ओमान के खिलाफ कम से कम एक अंक लेना भारत के लिए अहम होगा क्योंकि इससे एशियाई कप 2023 क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह पाना भारत के लिए आसान होगा।

पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन एडमू से खेलेंगे विजेंदर

एजेंसी ▸▸| दुबई

भारतीय मुक्केबाजी स्टार विजेंदर सिंह 22 नवंबर को अपने अगले पेशेवर मुकाबले में दो बार के पूर्व राष्ट्रमंडल सुपर मिडिलवेट चैंपियन घाना के चार्ल्स एडमू से खेलेंगे। विजेंदर ने इस साल जुलाई में अमेरिका में पदार्पण करके माइक स्नाइडेर को हराकर लगातार 11वीं जीत दर्ज की। वह दस राउंड के मुकाबले में एडमू से खेलेंगे जो 47 मुकाबलों में से 33 जीत चुका है। विजेंदर ने कहा, 'दो महीने से कठोर अभ्यास करने के बाद अब मैं जीत के साथ आगाज करने को पूरी तरह से तैयार हूं। मेरे लिए यह अगले साल होने वाले विश्व खिताब मुकाबले की तैयारी जैसा होगा।'

खबर संक्षेप

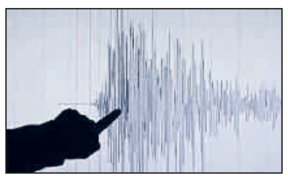

कच्छ जिले में आया 4.3 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में सोमवार की शाम को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गांधीनगर के भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि सात बजकर एक मिनट पर भूकंप आया जिसकी तीव्रता 4.3 थी। उसका केंद्र कच्छ जिले के भरूच में उत्तर-उत्तरपूर्व में 23 किलोमीटर की दूरी पर था। इससे पहले इसी जिले में कुछ घंटे पहले भूकंप का हल्का झटका आया था जिसका केंद्र अहमदाबाद से 340 किलोमीटर की दूरी पर था। जिला प्रशासन ने कहा कि अबतक भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की खबर नहीं आयी है।

मलेशिया के पूर्व नेता नजीब के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई शुरू

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व नेता नजीब रज्जाक के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीसरे मामले में सोमवार को सुनवाई शुरू हुई। नजीब (66) 1एमडीबी कोष से हेरफेर से संबंधित भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे है। इस घोटाले के कारण उन्हें पिछले वर्ष चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। अभियोजकों ने कहा कि नजीब ने दीवानी और आपराधिक मुकदमे से बचने के लिए 1एमडीबी निवेश कोष के एक सरकारी ऑडिट के साथ छेड़छाड़ की। अभियोजक गोपाल श्री राम ने कहा कि नजीब 1एमडीबी में काफी प्रभाव रखते थे और 2015 के मध्य में पहली बार इस घोटाले के सामने आने पर उन्होंने इसे छुपाने का प्रयास किया था।

ईरान ने दंगाइयों के प्रति समर्थन व्यक्त करने पर अमेरिका की निंदा की

तेहरान। ईरान ने पेट्रोल के दाम में वृद्धि के खिलाफ उसके यहां हुए हिंसक प्रदर्शन के दो दिन बाद दंगाइयों के प्रति अमेरिका द्वारा समर्थन प्रकट करने की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने रविवार देर रात एक बयान में कहा वह ईरान के कुछ शहरों में हुई हिंसा से जुड़े दंगाइयों के समूह के प्रति अमेरिका के विदेश मंत्री माईक पोम्पिओ 'के समर्थन प्रकट' करने पर प्रतिक्रिया दे रहा है और वह ऐसे समर्थन एवं दखलअंदाजी वाले बयान की निंदा करता है। शुक्रवार को ईरान में प्रदर्शन हुआ था। उससे महज कुछ घंटे पहले घोषणा की गयी थी कि प्रति माह पेट्रोल के दाम पहले 60 लीटर के लिए 10000रियाल की जगह अब 15000 रियाल प्रति लीटर और उससे अधिक मात्रा लेने पर 30000 रियाल प्रति लीटर का भुगतान करना होगा।

बैकफुट पर शिवसेना, संजय राउत बोले

हमारी जिम्मेदारी नहीं थी सरकार बनाना

नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में अब तक सरकार गठन के लिए दम भर रही शिवसेना अचानक बैकफुट पर आ गई है। सोनिया गांधी से मिलने के बाद शरद पवार ने सरकार गठन को लेकर कुछ भी स्पष्ट तौर पर कहने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पवार मिलने पहुंचे शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत के भी मुलाकात के बाद तेवर बदले नजर आए। अब तक सरकार बनाने का दावा कर रहे राउत ने कहा, 'सरकार बनाने की जिम्मेदारी शिवसेना की नहीं थी। यह जिनकी जिम्मेदारी थी, वे भाग निकले हैं। लेकिन मुझे भरोसा है कि हम जल्दी ही सरकार बना लेंगे।' अब तक सरकार बनाने का दावा करने वाले संजय राउत का अब जिम्मेदारी की बात कहना बताता है कि कहीं न कहीं कुछ पेच जरूर फंस गया है।

मोदी ने की एनसीपी की तारीफ, कयास और बढ़े

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की तारीफ कर कयासों को बढ़ा दिया।

शरद पवार ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की और महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात के बारे में उन्हें अवगत कराया: सुरजेवाला

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि शरद पवार ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की और महाराष्ट्र के राजनीतिक हालात के बारे में उन्हें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया कि अगले एक या दो दिनों में राकांपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली में फिर मिलेंगे जिसमें आगे के कदमों के बारे में चर्चा होगी।

रामदास अठावले ने दिया सरकार बनाने का फॉर्मूला

केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र में बीजेपी की सहयोगी आरपीआई के अध्यक्ष रामदास अठावले ने सोमवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र में सरकार बनाने का नया फॉर्मूला बता गए। अठावले ने कहा कि 'मैंन शिवसेना सांसद संजय राउत से उनकी शर्त को लेकर बात की है। मैंने उन्हें 3-2 का फॉर्मूला सुझाया है, जिसमें दो साल शिवसेना और 3 साल के लिए बीजेपी का सीएम होगा। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी इस फॉर्मूले पर बढ़ती है तो शिवसेना विचार करेगी। मैं बीजेपी से भी इसपर बात करूंगा। अठावले के इस बयान के बाद चर्चा शुरू हो गई है कि क्या शिवसेना की शर्त के आगे बीजेपी झुक जाएगी। फिर से दोनों दल एकजुट होकर महाराष्ट्र में सरकार बना लेंगे।

शपथ के बाद...

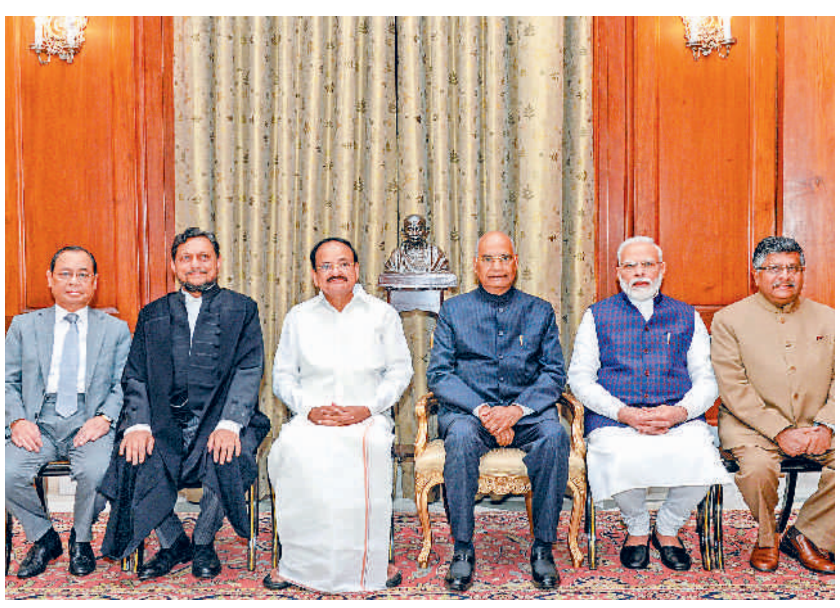

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शरद अरविंद बोबडे के शपथ ग्रहण के बाद संसद भवन में ग्रुप फोटो में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम.वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई और केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद।

गोटाबाया राजपक्षे ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

कोलंबो। श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान विवादस्पद रक्षा सचिव रहे गोटबाया राजपक्षे ने देश के नए राष्ट्रपति के रूप में अनुराधापुर के रूवानवेली सेया में शपथ ली। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने जय श्री महाबोधि में पूजा-अर्चना की। राजपक्षे ने शपथग्रहण करने से पहले एक ट्वीट में कहा कि जीत के लिए कोशिश करने से ज्यादा जरूरी होता है जीत को बनाए रखना। राजपक्षे के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे भी इस शपथग्रहण समारोह में मौजूद थे।

महिंदा 2005 से 2015 तक देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं। उनके अलावा पूर्व मंत्री बासिल राजपक्षे और बड़ी संख्या में सांसदों ने इस समारोह में हिस्सा लिया। चुनाव आयोग ने रविवार को परिणाम जारी करते हुए घोषणा की थी कि राजपक्षे (70 वर्षीय) ने प्रेमदास (52 वर्षीय) को 13 लाख से अधिक मतों से पराजित किया। आयोग ने बताया कि राजपक्षे को 52.25 प्रतिशत (69,24,255) मत मिले जबकि प्रेमदास को 41.99 प्रतिशत (55,64,239) वोट प्राप्त हुए। अन्य उम्मीदवारों को 5.76 प्रतिशत वोट मिले। चुनाव आयोग के अध्यक्ष महिंदा देशप्रिय ने कहा कि चुनाव में कुल मिलाकर लगभग 83.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

■ जीत के लिए कोशिश करने से ज्यादा जरूरी होता है जीत को बनाए रखना: गोटबाया

पाकिस्तान: दो भारतीय गिरफ्तार, पुलिस ने कहा

एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जिसे आतंकी हमले के लिए भेजा गया

लाहौर। पाकिस्तान के अधिकारियों ने सोमवार को दो भारतीयों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इन भारतीयों पर अवैध तरीके से पाकिस्तान में प्रवेश करने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए भारतीय प्रशांत (मध्यप्रदेश) और दारीलाल (तेलंगाना) हैं। जियो न्यूज के मुताबिक, दोनों भारतीय नागरिकों को पंजाब प्रांत के बहावलपुर में गिरफ्तार किया गया। इनके पास कोई भी दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार किया गया एक भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बताया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि उसे पाकिस्तान में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए भेजा गया था।

पाकिस्तान ने किया शाहीन-1 मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सतह से सतह पर मार करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल (एसएसबीएम) शाहीन-1 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। 'द न्यूज इंटरनेशनल' की रिपोर्ट के मुताबिक, सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल आसिफ गफूर ने सोमवार को ट्वीट किया कि एसएसबीएम सभी तरह के परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है और मिसाइल की मारक क्षमता 650 किलोमीटर है। उन्होंने कहा कि इस लॉन्च का मकसद आर्मी स्ट्रेटजिक फोसेर्ज कमांड (एएसएफसी) की सामरिक तैयारी की जांच करनी है, जिससे पाकिस्तान की विश्वसनीय न्यूनतम सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। डॉन न्यूज के मुताबिक, डायरेक्टर जनरल स्ट्रेटजिक प्लांस डिवीजन, कमांडर आर्मी स्ट्रेटजिक फोसेर्ज कमांड, एनईएससीओएम चेयरमैन, स्ट्रेटजिक प्लांस डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारी, आर्मी स्ट्रेटजिक फोसेर्ज कमांड, वैज्ञानिक व इंजीनियर इस लॉन्च के साक्षी रहे। पाकिस्तान ने अगस्त में एक अन्य एसएसबीएम गजनवी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था।

गुजरात: जाली नोट चलाने की कोशिश करते दो लोग पकड़े गए

राजकोट। गुजरात के राजकोट जिले के जेतपुर में पुलिस ने पान की एक दुकान पर 100 रुपये के जाली नोट चलाने की कोशिश को नाकाम करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर दिया। जेतपुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों मोहम्मद सिराज हामिद और अमीन कादरी के पास से 46 जाली नोट बरामद किए। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 489ए और 114 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट: कॉलेजियम में 13 साल बाद महिला जज शामिल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई के रिटायरमेंट के बाद अब जस्टिस आर. भानुमति कॉलेजियम का हिस्सा बन गई हैं। बीते 13 सालों में भानुमति पहली महिला जस्टिस हैं जो कॉलेजियम का हिस्सा बनी हैं। जस्टिस भानुमति को सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर मोस्ट जस्टिस होने के नाते कॉलेजियम का हिस्सा बनाया गया है। वर्तमान समय में सुप्रीम कोर्ट में आर भानुमति के अलावा दो और महिला न्यायाधीश (इंदू मल्होत्रा और इंदिरा बनर्जी) हैं।

ऐसा रहा है करियर

आर. भानुमति का करियर सेशन कोर्ट से शुरू होकर देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा है। उन्होंने 1981 में वकील के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। भानुमति 1988 में तमिलनाडु हायर ज्यूडिशियल सर्विस के जरिए डिस्ट्रिक्ट जज बनी थीं। अप्रैल 2003 में उन्हें मद्रास हाईकोर्ट में जज नियुक्त किया गया। इस दौरान उन्होंने जल्लीकट्टू केस की सुनवाई की थी। करीब दस साल बाद साल 2013 में उन्हें झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया। अगस्त 2014 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया।

इलेक्ट्रिक कार से संसद पहुंचे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, प्रकाश जावड़ेकर।

फिल्म अभिनेता व सांसद सन्नी देओल संसद भवन की तरफ बढ़ते हुए।

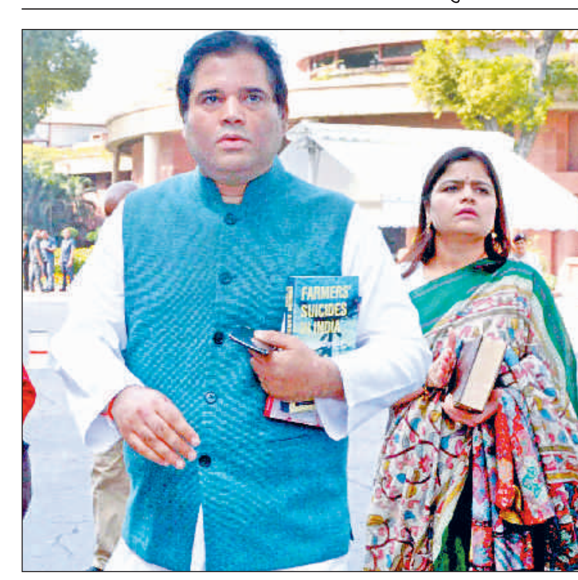

संसद भवन परिसर में वरूण गांधी और पूनम महाजन।

आईआईएम संस्थानों में भी लागू होगा फैकेल्टी में आरक्षण

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। प्रबंधन के क्षेत्र में देश के शीर्षस्थ संस्थानों में शुमार आईआईएम में भी जल्द ही फैकेल्टी में शत-प्रतिशत आरक्षण लागू हो जाएगा। इसके लिए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने सभी 20 आईआईएम को एक पत्र जारी कर दिया है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीते करीब चार दशक से अधिक वक्त से उच्च-शिक्षा से जुड़े आईआईएम संस्थानों में फैकेल्टी में आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं की गई थी। इसके लिए सबसे पहले देश में करीब वर्ष 1975 के आसपास आरक्षण कानून बनने और उसे लागू कराते वक्त तत्कालीन से लेकर आज की मौजूदा सरकारों ने भी आईआईएम को कभी इसे अनिवार्य रुप से लागू करने का निर्देश नहीं दिया। जबकि इसके विपरीत उच्च-शिक्षा के बाकी संस्थानों में जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में फैकेल्टी में आरक्षण लागू था। आईआईटी भी इस सूची में शामिल है।

कालापानी विवाद पर नेपाल के पीएम बोले

किसी को एक इंच भी जमीन नहीं लेने देंगे

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि वह भारत से कालापानी क्षेत्र से अपने सशस्त्रबलों को हटाने को कहेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी 'राष्ट्रभक्त सरकार' अपनी एक इंच जमीन पर भी किसी को अतिक्रमण करने नहीं देगी। नेपाल सरकार ने छह नवंबर को कहा था कि खबरों के मुताबिक कालापानी क्षेत्र को भारतीय मानचित्र में शामिल दिखाया गया है। नेपाल सरकार ने कहा कि विवादित कालापानी क्षेत्र से भारतीय सशस्त्र बलों को हटाने के लिए सरकार कदम उठायेगी। बता दें कि भारत ने इसी माह के प्रारंभ में नवसृजित केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू कश्मीर, लद्दाख और भारत के मानचित्र जारी किये थे। इन मानचित्रों में पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर, नवसृजित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का हिस्सा जबकि गिलगित बाल्तिस्तान केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा है। नेपाल के पीएम ने कहा है कि नेपाल, भारत और तिब्बत के ट्राइ-जक्शन पर स्थित कालापानी क्षेत्र नेपाल का हिस्सा है।

भारत को अपने जवानों को वापस बुला लेना चाहिए

नेपाली प्रधानमंत्री के निजी सचिव ने जारी बयान में कहा कि हमारी राष्ट्रभक्त सरकार किसी को भी नेपाल की सरजमीं का एक इंच जमीन भी अतिक्रमण नहीं करने देगी। पड़ोसी देश भारत को कालापानी क्षेत्र से अपने जवानों को वापस बुला लेना चाहिए। उन्होंने इसपर बल दिया कि उनकी सरकार कूटनीति के माध्यम से कालापानी मुद्दे का हल चाहती है। प्रधानमंत्री का बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्य विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने अपने सहयोगी संगठन नेपाल स्टूडेंट्स यूनियन को इस मांग के साथ सड़क पर उतार दिया कि विवादित सीमा क्षेत्र से भारतीय सैनिकों की वापसी हो।

मिलिट्री स्टाइल यूनिफॉर्म ने ली पारंपरिक पोशाक और पगड़ी की जगह

नए कलेवर में दिखे राज्यसभा के मार्शल

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली।

राज्यसभा के 250वें सत्र के प्रारंभ होने पर सोमवार को आसन का नजारा कुछ बदला सा लग रहा था। यह बदलाव आसन की सहायता के लिए मौजूद रहने वाले मार्शलों की एकदम नई वेशभूषा के कारण महसूस हुआ। आम तौर पर उच्च सदन की बैठक आसन की मदद करने वाले कलगीदार पगड़ी पहने किसी मार्शल के सदन में आकर यह पुकार लगाने से शुरू होती है कि 'माननीय सदस्यों, माननीय सभापति जी।'

सोमवार को इन मार्शलों के सिर पर पगड़ी की बजाय नीले रंग की 'पी-कैप' थी। साथ ही उन्होंने नीले रंग की आधुनिक सुरक्षाकर्मियों वाली वर्दी धारण कर रखी थी। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि इस बारे में किए गए उच्चस्तरीय फैसले के बाद मार्शल के लिए जारी ड्रेस कोड के तहत सदन में तैनात मार्शलों को कलगी वाली सफेद पगड़ी और पारंपरिक औपनिवेशिक परिधान की जगह अब गहरे नीले रंग की वर्दी और कैप पहननी होगी। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार पिछले कई दशकों से चल रहे इस ड्रेस कोड में बदलाव की मांग मार्शलों ने ही की थी। उल्लेखनीय है कि सभापति सहित अन्य पीठासीन अधिकारियों की सहायता के लिये लगभग आधा दर्जन मार्शल तैनात होते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मार्शलों ने उनके ड्रेस कोड में बदलाव कर ऐसा परिधान शामिल करने की मांग की थी जो पहनने में सुगम और आधुनिक 'लुक' वाली हो। इनकी मांग पर को स्वीकार कर राज्य सचिवालय और सुरक्षा अधिकारियों ने नई ड्रेस को डिजायन करने के लिये कई दौर बैठकें कर नये परिधान को अंतिम रूप दिया। सूत्रों के अनुसार मार्शलों ने इस बदलाव पर खुशी जाहिर की है। बता दें कि, राज्यसभा का यह 250वां सत्र है।

■ राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार पिछले कई दशकों से चल रहे इस ड्रेस कोड में बदलाव की मांग मार्शलों ने ही की थी

'क्या आप मॉर्शल लॉ लगाना चाहते हैं?': जयराम रमेश

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सदन का ध्यान मार्शलों की सेना जैसी यूनिफॉर्म पर दिलाया। जयराम रमेश ने कहा, 'क्या आप मॉर्शल लॉ लगाना चाहते हैं?' इस पर राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने कहा, 'इतने महत्वपूर्ण घंटे में बिना महत्व के मुद्दे को मत उठाइए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सतवीर सिंह कटारिया द्वारा इंडियन एक्सप्रैस, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109